डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवर्टाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-96 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 2 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

प्रधानमंत्री की अपील पर आस्था भारी

पेट्रोल महंगा सही, बांके बिहारी के दर्शन से समझौता नहीं

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ईरान–अमेरिका के बीच चल रही जंग के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल का कम उपयोग करने की अपील की, लेकिन मंदिरों की नगरी में आने वाले श्रद्धालुओं की कारों को देखकर लगता नहीं कि उन पर प्रधानमंत्री की अपील का कोई असर पड़ा हो।

वृंदावन की एक पार्किंग में खड़ी कारें।

कार से वृंदावन आने वालों की संख्या बढ़ी

ईंधन बचाना जरूरी नहीं, दर्शन बहुत जरूरी

यमुना एक्सप्रेस वे और हाइवे से वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं की कारों की संख्या पर नजर दौड़ाई जाए तो हर कोई हैरान रह जाएगा। यहां के पार्किंग स्थलों पर खड़ी कारों को देखकर लगता है कि इन मालिकों पर तेल बचाने का कोई फर्क नहीं पड़ा है। वह अपने शहरों से कारों को लेकर ठाकुर बांकेबिहारी महाराज मंदिर समेत अन्य मंदिरों के दर्शन करने के लिए घरों से निकल पड़ते हैं। भले ही उनकी कारों में कितने रुपये का पेट्रोल खर्च क्यों न हो जाए। वीकेंड शनिवार और रविवार के साथ अन्य छुट्टियों में तो कारों की संख्या इतनी अधिक हो जाती है कि पार्किंग स्थल फुल तक हो जाते हैं। कई जगह तो कारें सड़क किनारे खड़ी दिखाई देती हैं। इससे आवागमन में रूकावट पैदा होती है। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं ने अब तो वृंदावन का हर रास्ता देख लिया है, इसलिए वह वाहनों को पुलिस की नजरों से बचाते हुए मंदिरों की नगरी में अंदर तक ले आते हैं। फिर लगता है जाम। लोग इन गाड़ी वालों को कोसते हैं। कहते हैं कि इनकी वजह से ही जाम लगता है। दिल्ली के रहने वाले श्रद्धालु मोहन कुमार कहते हैं कि देने वाला भगवान, वह तेल में कंजूसी क्यों करें। उनको तो परिवार के साथ ठाकुर जी के दरबार में हाजिरी लगानी हैं। कुरुक्षेत्र (हरियाणा) से आई मालती अपने परिवार के साथ कार से आई। पार्किंग में कार खड़ी। इसी दरम्यान यूनिक समय संवाददाता ने प्रश्न किया कि आपने प्रधानमंत्री की अपील पर कोई ध्यान नहीं दिया। जबाव मिला कि उनका वृंदावन आना आस्था से जुड़ा हुआ है। वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के दर्शन करने के बाद ही मन को शांति मिलती है। इसके लिए वह कार से एक बार नहीं कई बार भी आना पड़े तो आएंगी। गुरुग्राम से आए प्रताप चंद का कहना है कि ठाकुर जी के दर्शन करने को वह हर हफ्ता आते हैं। यदि हम तेल बचाने की सोचेंगे तो आस्था को काफी धक्का लगेगा। यह तीन श्रद्धालुओं की बात है। कई और श्रद्धालुओं से हुई बातचीत का भी लगभग यही निष्कर्ष था कि उनके लिए ठाकुरजी के दरबार में हाजिरी पहली प्राथमिकता है। वह ठाकुर बांकेबिहारी महाराज मंदिर के अलावा ठाकुर राधा बल्लभ लाल मंदिर, ठाकुर राधारमण मंदिर, निधिवनराज मंदिर, सेवाकुंज मंदिर, प्रेम मंदिर और ठाकुर गरुड़ गोविंद देव मंदिर के दर्शन करके के लिए घरों को लौटते हैं। इन श्रद्धालुओं में से अधिकांश गोवर्धन जाते हैं और गिरिराज महाराज की परिक्रमा लगाते हैं। इनमें से कई तो बरसाना में श्री जी के दर्शन करके घरों को लौटते हैं।

प्रधानों के प्रशासक नियुक्ति होने पर हाईकोर्ट सख्त

राज्य सरकार से मांगा जवाब जल्द

कल होगी मामले की अगली सुनवाई

यूनिक समय, लखनऊ। कार्यकाल समाप्त होने के बाद वर्तमान प्रधानों को ग्राम पंचायतों का प्रशासक बनाने के यूपी सरकार के आदेश को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने ग्राम प्रधानों को उनकी पंचायतों का प्रशासक नियुक्त किए जाने के मामले में तीन जून तक यूपी सरकार से जवाब प्रस्तुत करने को कहा है।

न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिया। याचिका ओमप्रकाश प्रजापति की ओर से दायर की गई है, जिसमें सरकार के आदेश को कानून की मंशा के विपरीत बताते हुए निरस्त करने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी ने अदालत को बताया कि ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें प्रशासक नियुक्त करना स्थापित परंपरा और कानूनी व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। अदालत ने सरकारी वकील को सरकार से आवश्यक जानकारी लेकर अगली सुनवाई में पक्ष रखने का निर्देश दिया है। सरकार का तर्क है कि पंचायत चुनाव में देरी और आरक्षण प्रक्रिया लंबित होने के कारण यह निर्णय लिया गया है, ताकि गांवों में विकास कार्य, पेयजल, सफाई, मनरेगा और अन्य योजनाएं प्रभावित न हों। अब मामले पर सभी की नजरें तीन जून, यानि कल की सुनवाई पर टिकी हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष का मोबाइल किया हैक

यूनिक समय मथुरा। साइबर अपराधियों ने जिला पंचायत अध्यक्ष और भाजपा नेता का मोबाइल नंबर हैक कर लिया। अपराधियों ने उनके सोशल मीडिया संपर्कों का दुरुप्रयोग किया। इस मामले की शिकायत पर साइबर सेल में हड़कंप मचा हुआ है। भाजपा नेता और जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी किशन सिंह का मोबाइल साइबर अपराधियों ने हैक कर लिया। अपराधियों द्वारा उनके नंबर से सोशल मीडिया संपर्कों का दुरुपयोग करने का प्रयास किया। इस बात की जानकारी होने पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने साइबर टीम और प्रशासन को अवगत कराया। सूचना मिलते ही टीम ने हैकरों का पता लगाने के प्रयास शुरु कर दिए हैं।

पूर्व चेयरमैन समेत 44 आरोपियों को नही दी कोर्ट ने राहत

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता से मारपीट का प्रकरण

यूनिक समय, मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायालय ने आज सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता को बंधक बनाकर मारपीट करने के चर्चित मामले में बरसाना के पूर्व चेयरमैन समेत 44 आरोपियों की जमानत को नामंजूर कर दिया। कोर्ट से भी उन्हें इस मामले में कोई राहत नहीं मिल सकी। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता दिवाकर शर्मा का बरसाना क्षेत्र में अपहरण करने और बंधक बनाकर मारपीट किए जाने के आरोप में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बरसाना के पूर्व चेयरमैन बलराज चौधरी सहित 44 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आरोपियों की ओर से जिला एवं सत्र न्यायालय में जमानत अर्जी दाखिल की गई थी। जिला एवं सत्र न्यायीधीश ने पूर्व चेयरमैन समेत 44 आरोपियों की जमानत अर्जी पर सुनवाई की। आरोपियों के अधिवक्ताओं ने उन्हें निर्दोष साबित करने का काफी प्रयास किया, लेकिन डीजीसी क्राइम शिवराम तरकर की दलीलों और पुलिस रिपोर्ट के आधार पर सभी की जमानतों को नामंजूर कर दिया। जिला एवं सत्र न्यायालय से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद आरोपियों की अधिवक्ता अब हाईकोर्ट की शरण में जाने की तैयारी में जुट गए हैं।

आईपीएल जीत के बाद वृंदावन पहुंचे विराट और अनुष्का शर्मा

सफलता के बाद भक्ति के रंग में दिखा स्टार कपल

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। आईपीएल 2026 का खिताब जीतने के कुछ ही घंटों बाद भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ यहां पहुंचे। दोनों ने राधा केलि कुंज आश्रम में प्रेमानंद महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। आश्रम से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में विराट और अनुष्का पूरी तरह भक्तिमय रंग में रंगे नजर आए।

संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन को जाते क्रिकेटर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा।

प्रेमानंद महाराज का लिया आशीर्वाद

तिलक, तुलसी माला और सादगी ने खींचा ध्यान

दर्शन के दौरान दोनों नंगे पैर आश्रम परिसर में पहुंचे। विराट के माथे पर तिलक और त्रिपुंड दिखाई दिया, जबकि उनके और अनुष्का के गले में तुलसी की माला थी। सादे वस्त्र और शांत भाव ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा। सोशल मीडिया पर उनकी यह आध्यात्मिक यात्रा चर्चा का विषय बनी हुई है।

बताते चलें कि विराट और अनुष्का लंबे समय से संत प्रेमानंद के अनुयायी माने जाते हैं। इससे पहले भी दोनों कई बार वृंदावन आकर उनसे मुलाकात कर चुके हैं। फैंस का कहना है कि बड़ी सफलता के बाद भी दोनों का आध्यात्मिक जुड़ाव उनकी सादगी को दर्शाता है।

गौरतलब है कि आईपीएल 2026 विराट कोहली के लिए बेहद यादगार रहा। उन्होंने पूरे सीजन में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 16 मैचों में 675 रन बनाए और अपनी टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। जीत के जश्न के बजाय वृंदावन पहुंचकर आशीर्वाद लेना उनके प्रशंसकों के बीच खास चर्चा का विषय बन गया है।

वर्षा ने ठंडे किए गर्मी के तेवर उमस बनी लोगों की परेशानी

मंगलवार दोपहर आसमान पर छाए बादल।

दिन में धूप खिलने से लोगों को होती रही परेशानी

पांच जून तक वर्षा आकाशीय गर्जना का पूर्वानुमान

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार बीती रात हुई वर्षा ने गर्मी के तेवर तो ठंडे कर दिए, लेकिन उमस होने से लोग परेशान हो गए। दोपहर से खिली धूप लोगों को परेशानी देती रही। वैसे, सुबह से शाम तक कई बार छाए बादलों से मौसम सुहावना बना रहा। ऐसे मौसम के बीच अब बेहतर पूर्वानुमान जारी हुआ है। मौसम विभाग के पांच जून तक के लिए जारी किए गए पूर्वानुमान में आसमान पर बादल छाए रहने और वर्षा होने की बात कही गई है।

रविवार बीती रात मौसम अचानक बदला तो बयार के साथ वर्षा हो गई। अधिकांश जिले में रात को कहीं तेज तो कहीं हल्की वर्षा होने से सुबह जागे लोग खुश हो गए। सुहावना मौसम शरीर को राहत भी देने वाला बन गया। सुबह शीतल बयार के साथ आसमान पर काले बादल फिर छाए तो हल्की बूंदाबांदी हो गई। बूंदाबांदी की वजह से मौसम और सुहावना बना। ऐसे मौसम की वजह से गर्मी से परेशान लोग खुश नजर आए। इसके बाद दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ हुआ तो धूप निकल आई, जिससे उमस हो गई। दोपहर में यह उमस कुछ परेशानी की वजह भी बनी।

अब मौसम विभाग ने पांच जून तक के लिए मौसम से जुड़ा पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, इस अवधि के दौरान आसमान पर बादल छाए रहेंगे, एक या दो बार आकाशीय गर्जना के साथ वर्षा हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस बना रह सकता है। उन्होंने बताया कि आज अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

हाइवे के सर्विस मार्गो पर वर्षा का पानी भरा, समस्या

फरह कस्बा के सर्विस मार्ग पर वर्षा के पानी से निकलते वाहन।

वर्षा बनी जलभराव की वजह, लोगों को दिक्कत

यूनिक समय, मथुरा। वर्षा से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं जलभराव की समस्या परेशानी की वजह बन गई। हाइवे के सर्विस मार्ग पर वर्षा का पानी भरने से वाहन चालक तो परेशान हुए, पैदल निकलने वाले भी परेशानी में रहे। वाहनों की वजह से सर्विस मार्गों पर भरा पानी इधर से उधर दौड़ता रहा, जिससे ठेल- खोमचे वाले दुकानदारी को परेशानी होती रही।

मंगलवार बीती रात ओर सुबह अधिकांश जिले में वर्षा लोगों की समस्या बन गई। फरह से कोसी कलां तक बनाए गए सर्विस मार्ग वर्षा के पानी से प्रभावित दिखे। पानी भरने से टेंपो और बाइक चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। सर्विस मार्ग पर पानी अधिक होने से राहगीर भी रास्ता निकलने के लिए सही विकल्प तलाशते हुए दिखे। वर्षा के इस पानी की वजह से बाइक सवार ओर टेंपो चालक भी परेशान होते रहे। सीएनजी वाहन बंद होने के डर से चालक दूसरे मार्ग से रास्ता निकलते रहे। चौराहों और तिराहों के आसपास सर्विस मार्ग पर जलभराव होने से ठेल ओर फड लगाने वालों को भी परेशानी हुई। पानी भरने से ऐसे दुकानदार सुरक्षित स्थान के लिए जुगाड़ लगाते रहे। बड़े वाहनों की वजह से सर्विस मार्गों पर भरा पानी सुबह से रात तक लोगों को परेशानी देता रहा। वाहनों के तेजी से निकलने की वजह से वर्षा का यह पानी इधर से उधर दौड़ता रहा। रिफाइनरी नगर के सर्विस रोड पर हुआ जलभराव परिक्रमार्थियों को परेशानी देता रहा।

ध्रुवघाट शवदाह गृह में 47 शवों का हुआ नि:शुल्क अंतिम संस्कार

यूनिक समय, मथुरा। ध्रुवघाट श्मशान स्थल संचालन समिति द्वारा संचालित निःशुल्क विद्युत और गैस शवदाह गृह में मई माह के दौरान 47 शवों का पूर्ण वैदिक रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार किया गया। इनमें 44 लावारिस शव और तीन शव परिजनों द्वारा लाए गए थे।

शवदाह गृह के संयोजक महेश अग्रवाल (साड़ी वाले) ने बताया कि एक मई से 31 मई तक अपेक्षा से अधिक शवों का अंतिम संस्कार यहां किया गया। उन्होंने बताया कि सुविधाओं की दृष्टि से शवदाह गृह की दोनों भट्टियां सुचारु रूप से कार्य कर रही हैं। बिजली, गैस और जनरेटर के माध्यम से यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल, मंत्री उमेश अग्रवाल ने लोगों से कहा कि निःशुल्क सेवा के प्रति लोगों को

जागरूक किया जाए। यमुना तट स्थित शवदाह गृह में पंडित की उपस्थिति में पूर्ण धार्मिक विधि-विधान के अनुसार अंतिम संस्कार कराया जाता है। समिति के संरक्षक धनेश मित्तल,शशिभानु गर्ग ने भी लोगों से कहा कि वे किसी भी प्रकार की भ्रांति में न पड़ें और अपने परिचितों के निधन होने पर विद्युत शवदाह गृह की निःशुल्क सेवा का लाभ लें।

गांवों में वर्ग संघर्ष की स्थिति न होने दें थानेदार

डीएम ने एसपी सिटी से हर गांव की वर्तमान स्थिति पर ध्यान देने को कहा

अराजक तत्वों के मसूंबों को नहीं होने देना है सफल ऐसे लोग हों पाबंद

चन्द्र प्रकाश सिंह
डीएम

यूनिक समय, मथुरा। डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह ने गांवों में जान-बूझकर पैदा की जा रही वर्ग संघर्ष की स्थिति पर पुलिस से निगाह रखने को कहा है। एसपी सिटी से उन्होंने सभी थानेदारों को ऐसे मामलों पर ध्यान देने के लिए कहा है। उनका कहना है कि चंद लोग गांवों के सामाजिक ताने-बाने को खराब करने की कोशिश में जुटे हैं।

यह निर्देश फरह थाना क्षेत्र के गांव ओल से जुड़ी एक शिकायत सामने आने पर दिए।

ओल का एक व्यक्ति मंगलवार दोपहर डीएम के पास आया। बोला कि गांव के पूर्व प्रधान का आंबेडकर पार्क में पत्थर लगा था, अब नए प्रधान ने पत्थर लगा दिया है, नए का पत्थर हटना चाहिए। इस पर डीएम ने उसे समझाया। कहा कि पत्थर के झमेले में मत पड़ो, बच्चों की शिक्षा पर ध्यान लगाओ। पत्थर की राजनीति से गांव का माहौल मत खराब कीजिए, पत्थर किसका है, इसके चक्कर में गांव का माहौल खराब मत कीजिए।

इसके बाद डीएम ने एसपी सिटी राजीव कुमार को फोन मिलवाया। कहा कि गांवों में वर्ग संघर्ष की स्थिति पैदा की जा रही है। नरहौली और कई गांवों में यह हो चुका है, इसलिए सभी थानेदारों को ऐसे मामलों में आंख खुली रखने को कहें।

ऐसे हालात सामने आने पर तत्काल कार्रवाई करें, लोगों को एकजुट रहने के लिए समझाएं। माहौल खराब करने वालों को पाबंद करें।

तापमान / मौसम

38 डिग्री सेल्सियस
अधिकतम

26 डिग्री सेल्सियस
न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,57,190
22 कैरेट 1,44,100
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,80,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

पति–पत्नी के हत्यारोपित को कोर्ट ने दी उम्रकैद की सजा

यूनिक समय मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने घर से ले जाकर पति और पत्नी की हत्या कर शवों को थाना हाइवे क्षेत्र में फेंकने वाले अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और ढाई लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। इसके साथ ही दो लाख रुपये मृतक को आश्रितों को भी दिए जाने के आदेश दिए हैं।

मुकदमे की पैरवी करने वाले जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि थाना मगोर्रा के सौंख में रहने वाले हरिराम ने 23 मार्च 2022 को थाना मगोर्रामें एक तहरीर दी कि उसका बड़ा भाई भीम सिंह और उसकी पत्नी भारती देवी 19 मार्च को वृंदावन दर्शन करने की कह कर गई थे। 22 मार्च तक वह नहीं लौटे। गुमशदगी दर्ज कर तलाश किया जाए। इसके बाद 25 मार्च को थाना मगोर्रा में सूचना आई कि थाना हाइवे क्षेत्र में एक महिला और पुरुष के शव मिले हैं। इस जानकारी पर हरिराम और भीम सिंह के बेटे मुकेश आदि ने मोरचरी पर पहुंचकर शवों की शिनाख्त भीम सिंह और भारती देवी के रूप में की। इसके बाद मुकेश ने इस मामले में पवन निवासी नगला माखन (तालफरह) थाना कुम्हेर जिला भरतपुर के खिलाफ माता- पिता की हत्या कर शवों को फेंक कर सबूत नष्ट करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले की विवेचना करने के बाद आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई जिला एंव सत्र

ढाई लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया

नौकरी लगवाने के नाम से ली रकम वापस मांगना पड़ा भारी

हत्या कर दोनों शवों को हाइवे थाना क्षेत्र में फेंक दिया था

न्यायाधीश विकास कुमार की अदालत में हुआ। अदालत में गवाह ओमप्रकाश ने बताया कि पवन दिल्ली सचिवालय में नौकरी करता है। उसने पांच- छह युवकों की नौकरी लगवाने के लिए पांच –पांच लाख रुपये में की बात की थी। पांच लाख की मिलने वाली रकम में से कुछ हिस्सा उन्हें भी दिया जाएगा। इस तरह भीम सिंह ने पांच लोगों से नौकरी लगवाने के लिए रकम लेकर पवन को दे दी। इसके बाद नौकरी न लगने पर युवक और उनके परिवार वालों ने पैसे लौटाने के लिए दबाव देना शुरू कर दिया।

भीम सिंह के दबाव देने पर जॉइनिंग लेटर शीघ्र आने की बात कहता रहा। इसके बाद वह अपनी कार से खाटूश्याम अदि दर्शन कराने के बहाने ले गया। इसके बाद सौंख में (ओमप्रकाश को) उतार दिया। बाद में भीम सिंह के घर आने पर पता लगा कि वह और उसकी पत्नी नहीं हैं। उनकी हत्या हो चुकी है। इस तरह कई अन्य गवाहों ने भी इस तरह की ग्वाही दी, जिससे साबित हुआ कि पति–पत्नी की हत्या पवन ने ही की है। गवाह और सबूतों के आधार पर अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

ब्रेक फेल होने से आगे चल रहे ट्राला से टकराया कैंटर

यूनिक समय, सुरीर। थाना नौहझील क्षेत्र स्थित यमुना एक्सप्रेस-वे पर सोमवार देर रात एक दुर्घटना हो गई। आगरा से नोएडा की ओर जा रहे एक कैंटर के अचानक ब्रेक फेल हो गए और केंटर आगे चल रहे अज्ञात ट्राला से टकरा गया। यमुना एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या 62 पर रात करीब 12:05 कंट्रोल रूम मांट को टोल से दुर्घटना की सूचना मिली। थाना प्रभारी नौहझील जगदंबा सिंह, चौकी प्रभारी बाजना कट हरेंद्र सिंह तोमर और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस देखा कि कैटर के अचानक ब्रेक फेल हो जाने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कैंटर आगे चल रहे अज्ञात ट्राला से जा टकराया। दुर्घटना में कैंटर चालक अनिल कुमार पुत्र संतोष कुमार, निवासी गुप्ता कॉलोनी,प्रहलादपुर, नई दिल्ली सुरक्षित बच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था को सुचारु कराया।

यमुना एक्सप्रेस वे पर दुर्घटनाग्रस्त कैंटर।

230 ग्राम अफीम रखने पर कोर्ट ने दी पांच साल की कैद

यूनिक समय, मथुरा। विशेष न्यायाधीश (एनडीपीसी एक्ट)/ अपर सत्र न्यायाधीश विद्या भूषण पांडेय ने 230 ग्राम अफीम बरामद होने वाले अभियुक्त को पांच साल का कठोर कारावास और पचास हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

अभियोजन के अनुसार,10 मार्च 2011 थाना राया में तैनात उप निरीक्षक एनएस दीक्षित सिपाहियों के साथ चेकिंग और गश्त के लिए मांट रोड होते हुए नीम गांव तिराहे पर पहुंचे, वहां नीमगांव रोड से मांट की ओर आता हुआ एक व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने टार्च की रोशनी डालकर देखा तो वह तेज कदमों से चलने लगा। शक होने पर दौड़ कर उसे घेर कर पुलिस ने पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम सुशील निवासी गली बदूमल मांट रोड बताया। उससे भागने का कारण पूछा तो उसने बताया कि

पचास हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

उसके पास अफीम है। पुलिस को उसके कब्जे से 230 ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे कोर्ट के सामने पेश किया। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया।

मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (एनडीपीसी एक्ट)/ अपर सत्र न्यायाधीश विद्या भूषण पांडेय की अदालत में हुई। न्यायाधीश ने अभियुक्त सुशील को मादक पदार्थ रखने का दोषी ठहराते हुए उक्त सजा से दंडित किया। अभियुक्त जमानत पर था। कोर्ट ने उसे सजा सुनाने के बाद वारंट बनाकर सजा भुगतने के लिए जेल भेज दिया।

प्रवचन के नाम पर अमीर लड़कियां फंसाता था इंजीनियर बाबा

यूनिक समय, मथुरा। आईआईटी रुड़की से पांच साल पहले इंजीनियर बने युवक ने 20 लाख की नौकरी छोड़ दी। इसके बाद वह मथुरा में रहकर बाबा बन गया। हकीकत में उसके धार्मिक प्रवचन का मतलब अमीर और बड़ी कंपनी में जॉब करने वाली लड़कियों को फंसा कर मोटी रकम कमाना था। मूल रुप से ओडिशा के रहने वाले अभिषेक मिश्रा ने पांच साल पहले आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक करने के बाद एक कंपनी में 20 लाख के पैकेज पर नौकरी की। नौकरी छोड़ने के बाद वह मथुरा आ गया। पहले गोवर्धन के राधा कुंड में किराए के मकान में रहता था, बाद मे उसने अपना खुद का मकान बना लिया। मथुरा में आकर उसने अपना नाम बदलकर आदिकर्ता नारायण दास रख लिया। वह यूट्यूब और अन्य इंटरनेट मीडिया पर ऑनलाइन प्रवचन देता था। प्रवचन सुनने के बाद कई लोग उससे प्रभावित होकर संपर्क करते। पहले तो वह उन्हें धार्मिक ज्ञान की बाते करता था, लेकिन उसके टारगेट पर अमीर और बड़ी कंपनियों में जॉब करने वाली लड़किया रहती थी। इस तरह वह उन्हें अपने जाल में फांस कर मथुरा बुलाता। कुछ दिन उनके साथ घूमता और इसके बाद प्रसाद के नाम पर नशीला पदार्थ का सेवन करा कर उनके साथ दुराचार करता और वीडियो बनाकर उन्हे ब्लैक मेल करके मोटी रकम वसूलता था।

पत्नी की गला रेत हत्या करने वाला इंजीनियर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील पुलिस ने मानागढ़ी गांव में पत्नी की गला रेत कर हत्या करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हत्या में 520 रुपये की नकदी और प्रयुक्त रक्त रंजित चाकू बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, माना गढ़ी निवासी इंजीनियर उमेश कुमार ने शराब पीने से मना करने को लेकर झगड़े से कुपित होकर पत्नी का चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी थी। हत्या करने के बाद उमेश कुमार घर से भाग गया था। पुलिस उसे गिरफ्तार करने के लिए लगातार दबिश दे रही थी। पुलिस को उसके बारे में जानकारी मिली कि आरोपित मानागढ़ी मार्ग पर तीव्र मोड़ के पास गोकुल के ट्यूबवैल के पास है। पुलिस ने दबिश देकर उसे वहां से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसके कब्जे से पत्नी की हत्या में प्रयुक्त रक्त रंजित चाकू बरामद किया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता के गांव रनवारी के समीप बीती रात राधारानी के दर्शन करके लौटते बाइक सवार तीन युवकों को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक मौत और जिंदगी से जूझ रहा है।

थाना कोसीकलां के गांव सुपाना निवासी कमल सिंह(35) अपने साथी विष्णु और सुन्ना के साथ कल बाइक से राधारानी के दर्शन करने के लिए बरसाना गए थे। बताया गया कि तीनों देर रात बाइक से गांव लौट रहे थे। रास्ते में छाता के गांव रनवारी के समीप इनकी बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में तीनों बुरी तरह से घायल हो गए। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंचे

एक अन्य की हालत चिंताजक, राधा रानी के दर्शन कर लौटने के दौरान हुई दुर्घटना

ग्रामीणों ने पुलिस को भी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सड़क पर पड़े तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने कमल और विष्णु को मृत घोषित कर दिया। सुन्ना की हालत चिंताजनक होने पर उसे हायर सेंटर के लिए रैफर कर दिया। बताया गया कि उसकी हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने मरने वालों के परिवारों को सूचना देकर शवों का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तत्कालीन एसपी सिटी स्व. मुकुल द्विवेदी की पत्नी का झलका दर्द

मुकुल द्विवेदी की यादें जुड़ी हैं हम तो हर साल आएंगे

मंगलवार को जवाहर बाग स्थित स्मृति स्थल पर पति स्व. मुकुल द्विवेदी को श्रद्धांजलि अर्पित करतीं अर्चना द्विवेदी, साथ हैं बेटे और अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। 2016 के बाद से अब तक मैं यहां लगातार आई हूं, एक– दो बार आना नहीं हो सका। आपको भी बुलाया, आज मुकुल द्विवेदी की शहादत को 10 साल बीत गए। तो बस, मुझे लगता था कि मैं अपनी बात सरकार तक पहुंचा सकती हूं, जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला। ये जो शहादत हुई है, एक दशक बीतने के बाद भी वीरता पुरस्कार जैसा सम्मान नहीं मिला। अगले वर्ष में आऊंगीं, लेकिन आपको काल नहीं करुंगी।

यह वेदना और निराशा में डूबे शब्द मंगलवार को शहीद एसपी सिटी मुकुल द्विवेदी की पत्नी अर्चना द्विवेदी ने पत्रकारों के समक्ष व्यक्त किए। जवाहर बाग में बने स्मृति स्थल पर पति मुकुल के साथ तत्कालीन थाना प्रभारी संतोष यादव को पुष्प अर्पित करने के बाद

वीरता पुरस्कार मिलता तो पति की आत्मा को मिलती शांति

अगले साल से पत्रकारों को नहीं बुलाएंगे, हम आएंगे

निराशा भरे शब्दों के साथ अर्चना द्विवेदी ने कहा, मैं यहां आती हूं, मेरा उद्देश्य प्रदर्शन करना या भीड़ जुटाना नहीं है। मेरे पति ड्यूटी को लेकर संवेदनशील रहते थे, हर पुलिस अधिकारी का यह दायित्व होता है। पति को शहादत के बदले वीरता पदक मिलता तो गर्व होता। अब तक आप पत्रकारों को बुलाने का मसकद सरकार तक अपनी बात पहुंचाना था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। मुझे सरकार की बात समझ नहीं आ रही है, वैसे योगीजी के प्रति मेरा सम्मान है, वह अच्छा काम भी कर रहे हैं। दिल में सम्मान न मिलने को लेकर दर्द और पीड़ा भी है। यदि वीरता जैसा सम्मान मिला होता तो मेरे पति की आत्मा को शांति मिलती, लेकिन एक दशक बीतने के बाद भी पति को शहादत का सम्मान नहीं मिला, यह कसक हमेशा रहेगी। स्मृति स्थल पर पुष्पांजलि देने के दौरान स्व. मुकुल की मां, उनके बेटे कौस्तुभ और आयुष, प्रधानाचार्य कमल कौशिक आदि मौजूद थे।

एक दशक बाद भी जवाहर बाग की न्याय से जुड़ी आस अधूरी

यूनिक समय, मथुरा। आज 16 जून को जवाहर बाग हिंसा को पूरे 10 साल हो गए। इन सालों के दौरान जवाहर बाग में करोड़ो रुपये की धनराशि से विकास के काम हो गए, लेकिन न्याय की आस अधूरी ही रही। हिंसा की साजिशऔर अन्य पहलुओं से आज तक पदा नहीं उठ सका। उपद्रवियों द्वारा जलाए गए कई पेड़ आज भी हिंसा की बर्बरता की दास्तां वयां करते हों, लेकिन इतने सालों बाद भी स्मृति स्थल पर दो बलिदानी पुलिस अधिकारियों की प्रतिमाएं स्थापित नहीं हो सकी।

आज जवाहर बाग हिंसा की बरसी थी। हाईकोर्ट के आदेश पर दो जून 2016 को बाग को खाली कराने के दौरान उपद्रवियों के हाथों मारे गए तत्कालीन एसपी सिटी मुकुल द्विवेदी और तत्कालीन थाना प्रभारी संतोष यादव की शहादत में बने स्मृति स्थल

करोड़ों रुपये हो गए खर्च, नहीं हट सके बाग के दामन से हिंसा के दाग

पर फूलों के दो गुलदस्ते और कुछ मालाएं रखी दिखी।

दोनों बलिदानी पुलिस अधिकारियों की स्मृति में बने इस चबूतरे पर कुछ देर चहल– पहल रहीं, इसके बाद खामोशी छा गई। न्याय के लिए यहां सवाल उठाए गए। वीरता का पुरस्कार नहीं मिलने पर सरकार की नीयत पर प्रश्न खड़े किए गए, तो आंसुओं से एक दशक का दर्द भी बयां हुआ, लेकिन प्रतिमा नहीं लगाए जाने पर जिम्मेदारी का वहन करने वाला यहां कोई नजर नहीं आया।

सौंख रोड की अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर

पांच हजार वर्गमीटर भूमि पर कराया विकास कार्य ध्वस्त

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण ने सौंख रोड पर अवैध कॉलोनी निर्माण पर चला बुलडोजर, 5000 वर्गमीटर भूमि पर विकास कार्य को ध्वस्त किया।

मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण ने सौंख रोड, गोवर्धन स्थित लगभग पांच हजार वर्गमीटर भूमि पर किए जा रहे अवैध विकास कार्य के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। यह कार्रवाई सक्षम अधिकारी के आदेश पर मंगलवार को की गई।

प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार, राहुल चौधरी द्वारा बिना स्वीकृति के भूमि का विभाजन कर अवैध रूप से विकास कार्य कराया जा रहा था। मामले में पहले ही उत्तर

सौंख रोड पर अवैध कॉलोनी को ध्वस्त करता महाबली।

प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की संबंधित धाराओं के तहत वाद दर्ज किया गया था। साथ ही संबंधित पक्ष को सुनवाई का पर्याप्त अवसर भी प्रदान किया गया। अवैध रुप से किए गए विकास कार्य को ध्वस्त कर दिया।

टीजीटी परीक्षा तीन–चार जून को

यूनिक समय,मथुरा। जिले में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक परीक्षा तीन- चार जून को आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए जिले में 13 केंद्र बनाए गए है। प्रथम पाली सुबह 9.30 मिनट से 11.30 मिनट तक होगी, दूसरी पाली की परीक्षा अपरान्ह 2.30 से 4.30 बजे आयोजित की जाएगी। निगरानी के लिए 13 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 13 ही स्टेटिक मजिस्ट्रेट बनाए गए है।

200 ग्राम गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने अग्रवाल धर्मशाला के गेट के सामने भातू मोहल्ला अड़ीग रोड तालाब की तरफ से अभियुक्त नरेश निवासी बिंदल डाक्टर के पास कच्ची सड़क मसानी थाना गोविंदनगर को 200 ग्राम अवैध गांजे का साथ गिरफ्तार किया है।

रोटी संग्रह अभियान बना जनसहभागिता का प्रेरक उदाहरण

ग्रामीणों ने स्वयंसेवकों के प्रति व्यक्त किया अपनत्व और सम्मान

यूनिक समय, फरह। गो ग्राम परखम की दीनदयाल कामधेनु गोशाला में इन दिनों प्रशिक्षण वर्ग आयेजित हो रहे हैं। वर्ग में आए स्वयं सेवकों को हर घर से संग्रह की जाने वाली रोटियां परोसी जा रही हैं। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण वर्ग के अंतर्गत संचालित रोटी संग्रह अभियान जनसहभागिता और सामाजिक सहयोग का प्रेरक उदाहरण बनकर उभर रहा है।

रोटी संग्रह अभियान के दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों में स्वयंसेवक घर–घर पहुंचकर रोटियों का संग्रह कर रहे हैं। ऐसे काम के दौरान ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वयंसेवकों के प्रति अपना स्नेह, सम्मान और आत्मीयता व्यक्त की। ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। परिवारों द्वारा श्रद्धापूर्वक रोटियां प्रदान

प्रशिक्षण वर्ग में आए स्वयंसेवकों के लिए रोटी एकत्र करते स्वयंसेवक।

की जा रही हैं, जिससे समाज और संगठन के बीच आत्मीय संबंधों की भावना और अधिक मजबूत हो रही है। लोगों का कहना है कि राष्ट्रहित में चल रहे प्रशिक्षण वर्ग में भाग ले रहे स्वयंसेवकों के लिए सहयोग करना उनका सामाजिक दायित्व है।

रोटी संग्रह अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को एक मंच पर आने का अवसर मिल रहा है। यह अभियान केवल भोजन व्यवस्था तक सीमित न रहकर समाज में सहयोग, सेवा, समर्पण और सहभागिता की भावना को भी सुदृढ़ कर रहा है। गांवों में कई स्थानों पर महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने भी बढ़–चढ़कर भागीदारी निभाई।

वर्ग प्रचार प्रमुख राम पाठक ने बताया कि रोटी संग्रह अभियान समाज और स्वयंसेवकों के बीच आत्मीय संबंध स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में परस्पर विश्वास, सहयोग और संगठनात्मक एकता को मजबूत करते हैं। अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक व्यक्ति को राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में प्राप्त होने वाली प्रत्येक रोटी समाज की सहभागिता, विश्वास और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। अभियान लगातार सफलतापूर्वक चल रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों से उत्साहजनक सहयोग प्राप्त हो रहा है।

सरकारी अस्पताल बनता जा रहा जनता की पहली पसंद

सात दिन में इलाज कराने पहुंचे आठ हजार मरीज

एक रुपये का सरकारी पर्चा बनवाने के लिए लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते हुए मरीज।

मरीजों की बात

सौंख रोड निवासी लक्ष्मी देवी का कहना है कि पहले लोग सरकारी अस्पताल जाने से बचते थे, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। यहां मिलने वाली दवाओं से फायदा हो रहा है और डॉक्टर भी मरीजों को ध्यान से देखते हैं।

डेगरा निवासी देवीराम ने बताया कि जिला अस्पताल की व्यवस्था में पिछले कुछ समय में काफी सुधार हुआ है। भीड़ अधिक होने के बावजूद डॉक्टर मरीजों को अच्छी तरह सुनते हैं और सही उपचार देते हैं।

यूनिक समय, मथुरा। कभी मरीजों की कम संख्या के लिए चर्चा में रहने वाला जिला अस्पताल अब लोगों की पसंद बनता जा रहा है। बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, अनुभवी चिकित्सकों की उपलब्धता और मुफ्त दवाओं के कारण मरीजों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। यही वजह है कि अस्पताल की ओपीडी में रोजाना मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। सुबह से ही पर्चा काउंटर, डॉक्टर कक्ष और जांच केंद्रों पर लोगों की भीड़ जुटने लगती है।

जिला सरकारी अस्पताल में प्रतिदिन 1400 से 1500 मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोग भी अपना इजाल

मुफ्त दवा, बेहतर सुविधाएं और अनुभवी डॉक्टर बढ़ा रहे हैं भरोसा

कराने के लिए रहे हैं। जिला अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार, 21 मई से 28 मई के बीच 6495 नए मरीजों के पर्चे बनाए गए, जबकि करीब 2500 पुराने मरीज भी दिखाने पहुंचे। जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. रवि माहेश्वरी की ओपीडी में रोजाना करीब 180 मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें लगभग 90 मरीज वायरल संक्रमण से पीड़ित होते हैं। इसके अलावा डायरिया, उच्च रक्तचाप, सर्दी-जुकाम, गैस, कमजोरी और रक्त संबंधी समस्याओं से जूझ रहे मरीज भी बड़ी संख्या में उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। नाक, कान और गला रोग विभाग में भी मरीजों की अच्छी-खासी भीड़ बनी हुई है। इस विभाग में प्रतिदिन करीब 125 लोग परामर्श लेने पहुंच रहे हैं। वहीं हड्डी रोग विभाग में भी मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सड़क दुर्घटनाओं, गिरने से चोट लगने और जोड़ों के दर्द से परेशान करीब 200 मरीज रोजाना उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल में कुत्ता काटने वाले भी एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए प्रतिदिन 180 से 210 लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं। सुबह से ही टीकाकरण कक्ष के बाहर लोगों की कतारें लग जाती हैं। इसके अलावा गर्मी के मौसम में एलर्जी की समस्या भी लोगों को परेशान कर रही है। रोजाना 150 से 190 मरीज एलर्जी से जुड़ी शिकायतों के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। अस्पताल में केवल ओपीडी ही नहीं, बल्कि जांच सेवाओं का भी मरीज पूरा लाभ उठा रहे हैं। आंखों की जांच, एक्स-रे, सीटी स्कैन, टीबी जांच और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं।

धोखाधड़ी का मामला आरोपी अदालत में नहीं हुए पेश

यूनिक समय, बरसाना। धोखाधड़ी के मामले में वांछित आरोपी के अदालत में पेश न होने पर अब सम्मन जारी किया गया है। बदरपुर, दिल्ली निवासी गुरुमीत सिंह पुत्र स्व. करतार सिंह ने अदालत के आदेश पर बरसाना थाना में मुकदमा संख्या 301 /2025 धारा 420 के तहत 73 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मुकदमा संजीव गर्ग पुत्र सतपाल गर्ग और ज्योति गर्ग पत्नी संजीव गर्ग निवासी सहार विलेज स्थित रयल सिटी थाना बरसाना के खिलाफ लिखवाया था। धारा 82 सीआरपीसी जारी किए गए थे आरोपियों को तीन जुलाई तक न्यायालय में पेश होना है। इसको लेकर न्यायालय ने सम्मन जारी कर दिए हैं।

मायके आई बेटी और पिता को कैंटर ने रौंदा

यूनिक समय, मथुरा। छाता कोतवाली के नौगांव में आज पैदल जा रहे पिता-पुत्री को तेज रफ्तार कैंटर ने रौंद दिया। पुत्री की मौके पर मौत हो गई, जबकि पिता अस्पताल में मौत और जिंदगी से जूझ रहा है।

नौगांव निवासी गोविंद (60) अपनी बेटी क्रांती देवी (26) के साथ प्रातः सड़क किनारे से गुजर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आते कैंटर ने दोनों को रौंद दिया। दुर्घटना में पिता और बेटी गभीर घायल हो कर सड़क पर गिर गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तुरंत

बेटी की मौत, पिता की हालत चिंताजनक

पुलिस को इस बारे में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को निजी हॉस्पिटल ले गई। जहां क्रांती देवी की मौत हो गई, जबकि पिता की हालत चिंताजनक बनी हुई है। बताया गया कि क्रांती की शादी जमुनापार थाना क्षेत्र में हुई थी। वह अपने मायके आई हुई थी। पुलिस ने क्रांती देवी के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परीक्षा में पहले दिन 500 अभ्यर्थी हुए शामिल

ऑनलाइन परीक्षा के दौरान बायोमेट्रिक सत्यापन कराते अभ्यर्थी।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद (जेईईसीयूपी-2026) के तहत आयोजित ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा मंगलवार को बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज औरएएसएम पॉलिटेक्निकमें कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई। परीक्षा 9 जून तक विभिन्न पालियों में आयोजित की जाएगी। पहले दिन दोनों केंद्रों पर लगभग 500 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। इन केंद्रों पर कुल 5,375 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित परीक्षा में सभी प्रश्न हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध कराए गए हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल हैं, प्रत्येक सही उत्तर के लिए चार अंक निर्धारित किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश से पूर्व बायोमेट्रिक सत्यापन, आधार कार्ड और प्रवेश पत्र की जांच, सुरक्षा स्क्रीनिंग, दस्तावेज सत्यापन

बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज और एएसएम पॉलिटेक्निक में जेईईसीयूपी-2026 परीक्षा शुरू

की प्रक्रिया अपनाई गई। परीक्षा में अभ्यर्थियों को केवल काले या नीले रंग के बॉल प्वाइंट पेन ले जाने की अनुमति दी गई। संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल और वाइस चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल ने बताया कि परीक्षा संचालन के लिए सभी आवश्यक तकनीकी और सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया जा रहा है। एएसएम पॉलिटेक्निक के निदेशक विशाल लाल गोस्वामी, बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रशिक्षित स्टाफ, तकनीकी विशेषज्ञों और सुरक्षा कर्मियों की विशेष तैनाती की गई है।

छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक से दिया तम्बाकू छोड़ने का संदेश

तम्बाकू और निकोटिन का सेवन न करने की दिलाई शपथ

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर केडी विश्वविद्यालय में हुई जागरूकता

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर केडी हॉस्पिटल में जागरूकता अभियान चलाते डेंटल छात्र-छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। नशा नाश की जड़ है, भले काम से मुंह मत मोड़ो, तम्बाकू की आदत छोड़ो आदि स्लोगनों तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के छात्र-छात्राओं ने केडी हॉस्पिटल में जन-जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को व्यसन त्यागने का संदेश दिया।

केडी विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर मनोज अग्रवाल ने अपने संदेश में जूनियर डॉक्टरों के अभिनव प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज को स्वस्थ रखने में चिकित्सकों की अहम भूमिका है। डॉक्टरों को सिर्फ एक दिन नहीं,बल्कि हर दिन जागरूकता के प्रयास करने चाहिए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण अग्रवाल ने भावी चिकित्सकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जागरुकता से ही किसी भी तरह की गलत आदत को रोका जा सकता है। केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने लोगों को तम्बाकू के सेवन से होने वाले जानलेवा दुष्परिणामों से अवगत कराया। केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने बताया कि तम्बाकू चबाने से मुंह, गला, आमाशय, यकृत और फेफड़े के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। साल 2026 का थीम अनमास्किंग द अपील निकोटिन एवं तम्बाकू की लत के विरुद्ध संघर्ष है।केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर, उप-प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर ने भी मरीजों और उनके अटेंडरों को तम्बाकू और धूम्रपान से होने वाले खतरों से आगाह किया। भावी चिकित्सकों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तम्बाकू और निकोटिन के दुष्प्रभावों पर प्रभावी ढंग से प्रकाश डाला, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। नुक्कड़ नाटक के बाद शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित छात्र-छात्राओं, स्वास्थ्य कर्मियों तथा अटेंडरों ने तम्बाकू मुक्त जीवन जीने की शपथ ली। इस अवसर पर ओपीडी रोगियों के लिए एक स्वास्थ्य शिक्षा सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें बेहतर मौखिक और प्रणालीगत स्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में तम्बाकू बंद करने पर जोर दिया गया।

उठावनी

स्व. श्रीमती सरोज मित्तल

दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी धर्मपत्नी श्रीमती सरोज मित्तल का गोलोकवास दिनांक 01.06.2026 दिन (सोमवार) को हो गया है। जिनकी उठावनी (आज) दिनांक 03.06.2026 (बुधवार) को महिलाओं एवं पुरुषों की सांय 4 बजे से 5 बजे तक खण्डेलवाल सेवा सदन, गोवर्धन रोड, मथुरा पर होगी।

-: शोकाकुल :-

रमेश चन्द मित्तल (पति)
सुनन्द मित्तल (पौत्र)

मोहन-संध्या मित्तल
मुरारी-मन्जू मित्तल (देवर-देवरानी)
नीता मित्तल (स्व. ललित)
रवि-मीनू मित्तल
महेश-सारिका मित्तल
नितिन-श्वेता मित्तल
पीयूष-नेहा मित्तल
(भतीजे-भतीजेवधु)
सरोज-कृष्णचन्द्र अग्रवाल (भरतपुर)
(नन्द-नन्दोई)
शोभित-स्वाति, वैभव-वाणी
(धेवता-धेवतावधू)
निक्की, सजल, कपिल
ऋषभ, मयंक, प्राची (धेवते-धेवती)

विनय-शालिनी मित्तल
(पुत्र-पुत्रवधू)
ज्योति मित्तल-(स्व. विवेक)
(पुत्रवधू)
संगीता-कमलेश कुमार (हाथरस)
निर्मल-अजय अग्रवाल (आगरा)
रेनू-संजय गर्ग (आगरा)
पूनम-मुरली मनोहर C.A (मथुरा)
(पुत्री-दामाद)
सुमन्यु मित्तल (पौत्र)
आस्था, तानिया, वंशिता (पौत्री)
वर्तिका-हिमांशु जी, राशि-क्षितिज जी
प्रियंका-सचिन जी (धेवती-धेवतीदामाद)

-: फर्म :-

किशनलाल विठ्ठल दास सर्राफ

K.B Group of Companies

- K.B Realty
- K.B Developers (In association with ATS Noida)
- K.B Properties (In association with Hero Realty)
- K.B Marbles India
- Mount Hill Academy Senior Secondary School Ajay Nagar, Baldev Road, Mathura
- K.B International School, Bharatpur Road, Mathura
- Nitin Mohan Jewellers
- Roto India Packaging Industries
- Bankey Bihari Petro Products
- Vinwin Victory LLP, Noida
- Neeta Grace Emporio
- Lalit Grace Plaza

मायका पक्षः- अजय गर्ग, सुनील गर्ग, पंकज गर्ग (भतीजेगण)
फर्मः- बंगाली मल कैलाश चन्द सर्राफ, आगरा

सुबह उठते ही क्यों होने लगती है जोड़ों में जकड़न?

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी से राहत पाने के लिए ज्यादातर लोग एयर कंडीशनर (एसी) का सहारा लेते हैं। दिनभर की तपती गर्मी के बाद एसी की ठंडी हवा सुकून तो देती है, लेकिन कई लोगों के लिए यह राहत सुबह दर्द और जकड़न की वजह भी बन जाती है। यदि आप भी रातभर एसी में सोने के बाद सुबह घुटनों, कंधों, गर्दन या पीठ में अकड़न महसूस करते हैं, तो इसके पीछे कुछ वैज्ञानिक कारण हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ठंडा तापमान शरीर की मांसपेशियों को सिकोड़ देता है। जब मांसपेशियां सख्त होने लगती हैं, तो शरीर की सामान्य गतिविधियों पर असर पड़ता है और जोड़ों में जकड़न महसूस होने लगती है। यही कारण है कि कई लोगों को सुबह उठते समय गर्दन घुमाने, घुटने मोड़ने या हाथ उठाने में परेशानी होती है। मेदांता गुरुग्राम के ऑर्थोपेडिक्स विभाग के निदेशक डॉ. विनेश माथुर के अनुसार, जिन लोगों को पहले से गठिया, सूजन या किसी प्रकार की पुरानी चोट की समस्या है, उनमें ठंडे वातावरण का प्रभाव अधिक दिखाई देता है। कम तापमान के कारण रक्त संचार अस्थायी रूप से धीमा हो सकता है, जिससे जोड़ों में दर्द और अकड़न बढ़ सकती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जोड़ों के अंदर मौजूद साइनोवियल द्रव (जॉइंट लुब्रिकेंट) उनकी गति को आसान बनाता है। लंबे समय तक ठंडे वातावरण में रहने और कम शारीरिक गतिविधि करने से यह द्रव थोड़ा गाढ़ा हो सकता है, जिससे जोड़ों की गतिविधि प्रभावित होती है। यही वजह है कि एसी वाले कमरे में लंबे समय तक बैठने या सोने के बाद कई लोगों को जोड़ों में असहजता महसूस होती है।

गठिया और पुरानी चोट वाले लोगों में बढ़ सकती है परेशानी

हालांकि, कुछ आसान उपाय अपनाकर इस समस्या से काफी हद तक बचा जा सकता है। एसी का तापमान बहुत कम रखने से बचें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। यदि लंबे समय तक एसी वाले कमरे में बैठना पड़ता है, तो हर 30 से 45 मिनट में थोड़ा टहलें या हल्की स्ट्रेचिंग करें। इससे रक्त संचार बेहतर बना रहता है और मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं। यदि जोड़ों में दर्द, सूजन, त्वचा के रंग में बदलाव या रोजमर्रा के काम करने में कठिनाई जैसी समस्याएं लगातार बनी रहें, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

क्या आम सच में बढ़ाता है वजन?

आम से बढ़ता है वजन या सिर्फ गलतफहमी?

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में आम का इंतजार लगभग हर किसी को रहता है। स्वाद और खुशबू से भरपूर यह फल लोगों की पहली पसंद होता है, लेकिन वजन बढ़ने के डर से कई लोग इसे खाने से बचते हैं। आम को लेकर आम धारणा है कि इसमें चीनी की मात्रा अधिक होती है, इसलिए यह मोटापा बढ़ा सकता है। हालांकि, फिटनेस विशेषज्ञों का कहना है कि यह पूरी तरह सच नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, 100 ग्राम आम में लगभग 60 कैलोरी और 14 ग्राम प्राकृतिक शुगर होती है। पोषण के लिहाज से यह मात्रा अन्य फलों के मुकाबले बहुत ज्यादा नहीं है। उदाहरण के लिए, 100 ग्राम केले में करीब 89 कैलोरी और अंगूर में लगभग 69 कैलोरी होती है। ऐसे में आम को केवल मीठा होने के कारण अनहेल्दी कहना सही नहीं होगा। वजन बढ़ने का मुख्य कारण आम नहीं, बल्कि उसकी अधिक मात्रा का सेवन है। आम के मौसम में लोग अक्सर जरूरत से ज्यादा आम खा लेते हैं, जिससे कुल कैलोरी सेवन बढ़ जाता है। यदि संतुलित मात्रा में आम खाया जाए तो यह स्वस्थ आहार का हिस्सा बन सकता है। आम में विटामिन ए, विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि एक बार में लगभग 100 ग्राम यानी आधा से एक छोटा आम खाना पर्याप्त है। इसलिए अगर आप फिटनेस को लेकर सजग हैं, तो आम से दूरी बनाने की जरूरत नहीं है। सही मात्रा में सेवन करके आप इसके स्वाद और पोषण दोनों का लाभ उठा सकते हैं।

नाश्ते का स्वाद और सेहत दोनों बढ़ाएगी मखाना चाट

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप सुबह के नाश्ते में कुछ हल्का, स्वादिष्ट और पौष्टिक खाना चाहते हैं, तो मखाना चाट एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है। दही और मखाने से तैयार होने वाली यह चाट न केवल स्वाद से भरपूर होती है, बल्कि सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद मानी जाती है। खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और घर में मौजूद सामान्य सामग्री से ही तैयार किया जा सकता है। मखाना चाट बनाने के लिए सबसे पहले मखानों को थोड़े से देसी घी में हल्का भून लें, ताकि वे कुरकुरे हो जाएं। इसके बाद एक बाउल में मखाने, गाढ़ा दही, बारीक कटा प्याज, टमाटर और उबले हुए स्वीट कॉर्न डालें। स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें नमक, चाट मसाला और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। अब तैयार मिश्रण में हरी धनिया-पुदीना की चटनी और थोड़ी खट्टी-मीठी चटनी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ऊपर से नमकीन सेव, अनार के दाने और ताजा हरा धनिया डालकर सजाएं। कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट और हेल्दी मखाना चाट तैयार हो जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार, मखाना फाइबर, प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यही कारण है कि यह वजन कम करने वालों, मधुमेह रोगियों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के लिए अच्छा विकल्प माना जाता है। सुबह के नाश्ते से लेकर शाम के हल्के स्नैक्स तक, मखाना चाट हर समय खाने के लिए उपयुक्त है।

तेलंगाना में घूमने की 5 बेहतरीन जगह

मानसून में लगती हैं स्वर्ग जैसी सुंदर

यूनिक समय, नई दिल्ली। हर साल 2 जून को तेलंगाना गठन दिवस मनाया जाता है। यह दिन राज्य की संस्कृति, इतिहास और विकास यात्रा का प्रतीक माना जाता है। तेलंगाना अपनी समृद्ध विरासत के साथ-साथ प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी प्रसिद्ध है। खासकर मानसून के मौसम में यहां की पहाड़ियां, झरने, झीलें और हरियाली पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यदि आप बारिश के मौसम में घूमने का कार्यक्रम बना रहे हैं, तो तेलंगाना की ये पांच जगहें आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती हैं। बोगाथा जलप्रपात को तेलंगाना का नियाग्रा फॉल्स कहा जाता है। बारिश के दौरान यहां का तेज जलप्रवाह और आसपास की हरियाली मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती है। अनंतगिरि पहाड़ियां मानसून में बादलों और हरियाली से ढक जाती हैं। यह स्थान प्रकृति प्रेमियों, पैदल यात्रा करने वालों और शांति पसंद लोगों के लिए आदर्श माना जाता है। कुंतला जलप्रपात तेलंगाना का सबसे ऊंचा झरना है। मानसून के दौरान इसका जलप्रवाह बढ़ जाता है, जिससे इसकी प्राकृतिक सुंदरता और भी निखर जाती है। लकनावरम झील घने जंगलों और छोटी-छोटी पहाड़ियों से घिरी हुई है। यहां बना झूला पुल पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। बारिश के मौसम में यहां का शांत वातावरण सुकून का एहसास कराता है। मल्लेला तीर्थम नल्लामाला के जंगलों के बीच स्थित एक सुंदर झरना है। यहां गिरता पानी और हरियाली से भरपूर वातावरण पर्यटकों को प्रकृति के करीब ले जाता है। मानसून के मौसम में तेलंगाना की ये जगहें प्राकृतिक सौंदर्य, शांति और यादगार अनुभव का अनूठा संगम प्रस्तुत करती हैं।

ठंडा या गर्म पानी

सेहत के लिए कौन है बेहतर साथी?

यूनिक समय, नई दिल्ली। पानी जीवन का आधार है और स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी माना जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि सिर्फ पानी ही नहीं, उसका तापमान भी आपकी सेहत पर असर डाल सकता है? बहुत से लोग ठंडा पानी पसंद करते हैं, जबकि कुछ लोग गर्म या गुनगुना पानी पीने की आदत रखते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर किस तरह का पानी शरीर के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद है। विशेषज्ञों के अनुसार, पानी का तापमान शरीर की जरूरत, मौसम और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार चुना जाना चाहिए। बहुत ठंडा पानी गर्मी में राहत जरूर देता है, लेकिन इसका अधिक सेवन पाचन प्रक्रिया को धीमा कर सकता है। खासतौर पर भोजन के तुरंत बाद ठंडा पानी पीने से पेट में भारीपन और असहजता महसूस हो सकती है। कुछ लोगों में यह गले की परेशानी का कारण भी बन सकता है। ठंडा पानी शरीर को तुरंत ताजगी देता है और गर्म मौसम में राहत पहुंचाता है, लेकिन इसका सेवन संतुलित मात्रा में करना बेहतर माना जाता है। वहीं, सामान्य तापमान यानी नॉर्मल पानी को अधिकांश लोगों के लिए सबसे सुरक्षित और संतुलित विकल्प माना जाता है। यह शरीर को अच्छी तरह हाइड्रेट रखता है और पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालता। गुनगुना पानी भी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, यह पाचन शक्ति को बेहतर बनाने में मदद करता है और शरीर को हल्का महसूस कराता है। सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पीने की आदत कई लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। इसके अलावा गले में खराश या सर्दी-जुकाम की स्थिति में भी गुनगुना पानी राहत पहुंचा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि रोजमर्रा की जिंदगी में नॉर्मल पानी सबसे अच्छा विकल्प है, जबकि विशेष परिस्थितियों में गुनगुना पानी भी लाभदायक हो सकता है। बहुत अधिक ठंडे पानी का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। इसलिए अगली बार पानी पीते समय सिर्फ मात्रा ही नहीं, उसके तापमान पर भी ध्यान दें। सही तापमान का पानी आपकी सेहत को बेहतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

दिन की शुरुआत करें इन 3 योगासनों के साथ

सुबह के 15 मिनट बदल सकते हैं आपकी जिंदगी!

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ और फिट रहना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में योग एक ऐसा आसान और प्रभावी उपाय है, जो न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दिन की शुरुआत योग से की जाए, तो पूरा दिन ऊर्जा, ताजगी और सकारात्मकता से भरा रह सकता है। खासकर सुबह खाली पेट कुछ सरल योगासन करने से शरीर सक्रिय होता है और कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। ताड़ासन को योग की सबसे बुनियादी और प्रभावशाली मुद्राओं में गिना जाता है। इस आसन में शरीर को ऊपर की ओर खींचा जाता है, जिससे रीढ़ की हड्डी को अच्छा स्ट्रेच मिलता है। नियमित रूप से ताड़ासन करने से शरीर का संतुलन बेहतर होता है, पोश्चर सुधरता है और मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। सुबह के समय यह आसन शरीर की अकड़न दूर करने और ऊर्जा बढ़ाने में मदद करता है। वृक्षासन को संतुलन और एकाग्रता बढ़ाने वाला योगासन माना जाता है। इस आसन में एक पैर पर खड़े होकर शरीर का संतुलन बनाए रखना होता है। इसका नियमित अभ्यास पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और मानसिक स्थिरता बढ़ाने में मदद करता है। सुबह वृक्षासन करने से मन

मिलेगी ऊर्जा, बढ़ेगा संतुलन और दिनभर रहेगा मन शांत

शांत रहता है और पूरे दिन ध्यान केंद्रित रखने में सहायता मिलती है। भुजंगासन भी सुबह किए जाने वाले सबसे लोकप्रिय योगासनों में से एक है। इस आसन में शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर उठाकर रीढ़, कंधों और छाती को स्ट्रेच किया जाता है। यह पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाने, रक्त संचार को बेहतर करने और तनाव कम करने में सहायक माना जाता है। लंबे समय तक बैठकर काम करने वाले लोगों के लिए यह आसन विशेष रूप से लाभकारी है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, इन तीनों आसनों का नियमित अभ्यास शरीर में लचीलापन बढ़ाने, मानसिक तनाव कम करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। हालांकि योग करते समय सही तकनीक अपनाना और अपनी शारीरिक क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है। अगर आप अपने दिन की शुरुआत स्वस्थ और सकारात्मक तरीके से करना चाहते हैं, तो सुबह के केवल 15 मिनट इन योगासनों को दें। यह छोटी-सी आदत आपके स्वास्थ्य और जीवनशैली में बड़ा बदलाव ला सकती है।

सुविचार

बीती बातों को भूलकर आज को बेहतर बनाना ही समझदारी है।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	07:01-09:21 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा	12:59-03:41 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	09:54 PM
सूर्यास्त		7:06 PM	चंद्रास्त	08:22 AM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रह्म् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	12:17 PM: 01:59 PM		वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

घर बनाते समय न करें ये गलतियां, वरना बढ़ सकती हैं परेशानियां

सही योजना से बनेगा सुख-शांति का आशियाना

यूनिक समय, मथुरा। नया घर बनाना हर व्यक्ति का सपना होता है। वर्षों की मेहनत, बचत और उम्मीदों के बाद जब अपना आशियाना तैयार होता है, तो हर कोई चाहता है कि उसमें सुख, शांति और समृद्धि का वास हो। वास्तु शा स्त्र में भी घर निर्माण के दौरान कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखने की सलाह दी गई है। मान्यता है कि छोटी-छोटी लापरवाहियां भविष्य में बड़ी परेशानियों का कारण बन सकती हैं।

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, घर निर्माण की शुरुआत प्लॉट के चयन से

वास्तु नियमों की अनदेखी पड़ सकती भारी

होती है। चौकोर या आयताकार प्लॉट को संतुलित और शुभ माना जाता है, जबकि अनियमित आकार वाले प्लॉट ऊर्जा के प्रवाह को प्रभावित कर सकते हैं। इसी प्रकार घर का मुख्य द्वार भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में बना मुख्य द्वार सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश का माध्यम माना जाता है।

घर का रसोईघर अग्नि तत्व का प्रतीक माना जाता है। इसलिए किचन को दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाना बेहतर माना जाता है। वहीं उत्तर-पूर्व दिशा में रसोई बनाने से बचने की सलाह दी जाती है। इसी तरह परिवार के मुखिया का शयनकक्ष दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना शुभ माना जाता है, जबकि बच्चों और अतिथियों के कमरे पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा में बनाए जा सकते हैं। वास्तु में उत्तर-पूर्व दिशा को सबसे पवित्र माना गया है। इस स्थान पर भारी निर्माण, स्टोर रूम, सीढ़ियां या शौचालय बनाना उचित नहीं माना जाता। विशेषज्ञों का कहना है कि इस क्षेत्र को खुला, स्वच्छ और प्रकाशयुक्त रखना चाहिए। कई लोग यहां पूजा कक्ष या ध्यान कक्ष बनाना पसंद करते हैं। घर के बीचों-बीच यानी ब्रह्मस्थान में सीढ़ियां बनाना भी वास्तु दोष माना जाता है। मान्यता है कि यह स्थान ऊर्जा का केंद्र होता है और इसे खुला रखना चाहिए। इसके अलावा शौचालय का निर्माण उत्तर-पूर्व या घर के केंद्र में करने से भी बचना चाहिए।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन को भी वास्तु में विशेष महत्व दिया गया है। घर में पर्याप्त धूप और ताजी हवा का प्रवेश न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है, बल्कि सकारात्मक वातावरण बनाए रखने में भी मदद करता है।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार भूमिगत पानी की टंकी उत्तर-पूर्व दिशा में तथा ओवरहेड टंकी दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनाना उचित माना जाता है। साथ ही निर्माण कार्य की शुरुआत शुभ मुहूर्त में करने की परंपरा भी लंबे समय से चली आ रही है।

हालांकि वास्तु शास्त्र आस्था और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि सुनियोजित निर्माण, पर्याप्त रोशनी, सही वेंटिलेशन और संतुलित डिजाइन किसी भी घर को अधिक सुविधाजनक और सुखद बना सकते हैं।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके कार्य पूरे होंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

वृषभः धन संबंधी मामलों में लाभ के संकेत हैं। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठों का समर्थन मिलेगा। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। यात्रा की योजना बन सकती है। पुराने मित्र से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी।

मिथुनः कल निर्णय लेते समय जल्दबाजी से बचें। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कर्कः कार्यस्थल पर आपकी मेहनत की सराहना होगी। आर्थिक मामलों में सतर्कता जरूरी है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

सिंहः कल आत्मविश्वास के बल पर कठिन कार्य पूरे कर पाएंगे। करियर में प्रगति के संकेत हैं। निवेश से लाभ मिल सकता है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

कन्याः नए कार्यों की शुरुआत के लिए दिन शुभ है। व्यापार में लाभ के अवसर बनेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिल सकती है। मानसिक तनाव कम होगा और ऊर्जा बनी रहेगी।

तुलाः कल सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं सामने आएंगी। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। किसी पुराने विवाद का समाधान निकल सकता है।

वृश्चिकः धैर्य और समझदारी से काम लेने पर सफलता मिलेगी। नौकरी में सकारात्मक बदलाव संभव है। खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना आवश्यक है।

धनुः भाग्य का साथ मिलेगा और रुके कार्य पूरे होंगे। व्यापार में लाभ की संभावना है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी।

मकरः कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में लाभ होगा। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। निवेश सोच-समझकर करें। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, लेकिन पर्याप्त आराम करना जरूरी है।

कुंभः कल रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति के योग हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक साबित हो सकती है।

मीनः दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा। आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे। विद्यार्थियों को मेहनत का फल प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

अनुष्का की तुलसी माला बनी चर्चा का विषय

यूनिक समय, मथुरा। आईपीएल 2026 फाइनल के दौरान अनुष्का शर्मा के गले में नजर आई तुलसी की कंठी माला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। इसके बाद कई लोगों के मन में तुलसी माला के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व को लेकर जिज्ञासा बढ़ी है।

सनातन परंपरा में तुलसी को अत्यंत पवित्र माना गया है। धार्मिक मान्यताओं

के अनुसार तुलसी की लकड़ी से बनी कंठी माला भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण

श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है कंठी माला

की भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इसे श्रद्धा, अनुशासन और सात्विक जीवनशैली से जोड़कर देखा जाता है।

मान्यता है कि तुलसी माला धारण करने से मन को शांति, एकाग्रता और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। कई लोग मंत्र जाप, ध्यान और भक्ति साधना के दौरान इसे पहनते हैं। हालांकि धार्मिक परंपराओं में इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सात्विक आचरण और संयमित जीवन अपनाने की सलाह भी दी जाती है। तुलसी माला का उद्देश्य केवल आभूषण नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और आध्यात्मिक जुड़ाव माना जाता है।

घर से बाहर कर दें ये चीजें, सुख-शांति की बनेगी दुश्मन

यूनिक समय, मथुरा। घर को सुंदर और आकर्षक बनाने की चाहत में लोग कई ऐसी वस्तुएं घर में सजा लेते हैं, जो देखने में तो अच्छी लगती हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार वे नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा दे सकती हैं। वास्तु विशेषज्ञों का मानना है कि घर में मौजूद कुछ चीजें मानसिक तनाव, आर्थिक परेशानियों और पारिवारिक कलह का कारण बन सकती हैं। ऐसे में समय रहते इन वस्तुओं को घर से हटाना बेहतर माना जाता है।

सबसे पहले बात उन तस्वीरों और मूर्तियों की, जिनमें युद्ध, हिंसा, विनाश या उदासी का चित्रण हो। आजकल आधुनिक सजावट के नाम पर लोग ऐसी

कलाकृतियां घर में लगा लेते हैं, लेकिन वास्तु के अनुसार ये नकारात्मक भावनाओं को बढ़ाती हैं। इससे घर का वातावरण तनावपूर्ण हो सकता है और परिवार के सदस्यों के बीच अनबन बढ़ सकती है। दूसरी महत्वपूर्ण चीज है बंद घड़ी और पुराने कैलेंडर। वास्तु शास्त्र में घड़ी को समय और प्रगति का प्रतीक माना गया है।

यदि घर में बंद घड़ी टंगी हो या वर्षों पुराने कैलेंडर लगे हों, तो यह जीवन में ठहराव और अवसरों की कमी का संकेत माना जाता है। इसलिए खराब घड़ियों को तुरंत ठीक कराना या हटाना और समय-समय पर कैलेंडर बदलना शुभ माना जाता है।

तीसरी वस्तु है टूटे हुए शीशे। कई लोग टूटे या दरार वाले शीशों को सजावटी वस्तु के रूप में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन वास्तु में इसे अशुभ माना गया है। मान्यता है कि ऐसे शीशे घर की सकारात्मक ऊर्जा को कमजोर करते हैं और मानसिक अस्थिरता को बढ़ावा दे सकते हैं।

चौथे स्थान पर आते हैं कांटेदार पौधे। कैक्टस जैसे पौधे आधुनिक घरों में सजावट का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन वास्तु मान्यताओं के अनुसार ये रिश्तों में तनाव और मतभेद बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञ घर में तुलसी, मनी प्लांट या अन्य सकारात्मक ऊर्जा देने वाले पौधे लगाने की सलाह देते हैं। पांचवीं और अंतिम श्रेणी में सांप की मूर्तियां, डरावनी आकृतियां और नटराज की मूर्तियां शामिल हैं।

वास्तु के अनुसार ऐसी वस्तुएं उग्र ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती हैं और घर के ऊर्जा संतुलन को प्रभावित कर सकती हैं।

इसलिए इन्हें घर के बजाय धार्मिक या विशेष स्थानों तक सीमित रखने की सलाह दी जाती है।

वास्तु शास्त्र आस्था और मान्यताओं पर आधारित है, लेकिन कई लोग मानते हैं कि साफ-सुथरा, सकारात्मक और संतुलित वातावरण मानसिक शांति और खुशहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए घर में रखी वस्तुओं की समय-समय पर समीक्षा करना लाभदायक माना जाता है।

सम्पादकीय

चालान का डर ज्यादा जान की चिंता कम

उत्तर प्रदेश की सड़कों पर एक अनोखा दृश्य अक्सर देखने को मिल जाता है। बाइक चालक बिना हेलमेट फर्राटा भरता हुआ जा रहा है। जैसे ही उसे दूर खड़ा ट्रैफिक पुलिसकर्मी दिखाई देता है, वह अचानक जेब, हैंडल या बाइक के आगे लटका हेलमेट निकालकर सिर पर सजा लेता है। मानो हेलमेट सुरक्षा का नहीं, बल्कि चालान से बचाव का उपकरण हो। पुलिसकर्मी नजरों से ओझल हुआ नहीं कि हेलमेट फिर अपनी पुरानी जगह पहुंच जाता है। यही हाल सीट बेल्ट का है। कार में बैठते ही सीट बेल्ट लगाने के बजाय लोग पहले यह देखते हैं कि कहीं कैमरा तो नहीं लगा है। यदि कैमरा दिख गया तो सीट बेल्ट लग जाएगी, अन्यथा सुरक्षा भगवान भरोसे। ऐसा लगता है कि सड़क सुरक्षा के नियम लोगों की जान बचाने के लिए नहीं, बल्कि चालान काटने के लिए बनाए गए हैं।

पवन गौतम
संपादक

उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे और चौड़ी सड़कों का जाल बिछ रहा है। यमुना एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे आधुनिक मार्ग विकास की तस्वीर पेश कर रहे हैं। लेकिन कई वाहन चालकों ने शायद यह मान लिया है कि चौड़ी सड़क का मतलब है जितनी तेज रफ्तार हो सके उतनी दौड़ाओ। नतीजा यह होता है कि कुछ मिनट बचाने की कोशिश में पूरी जिंदगी गंवा दी जाती है।

मोबाइल फोन ने तो सड़क सुरक्षा को नई चुनौती दे दी है। कई लोग एक हाथ से बाइक चलाते हैं और दूसरे हाथ से मोबाइल पर बातचीत करते रहते हैं। कुछ तो वीडियो देखते हुए भी वाहन चलाने का जोखिम उठा लेते हैं। शायद उन्हें लगता है कि दुर्घटनाएं केवल अखबारों में छपती हैं, उनके साथ नहीं होतीं। विडंबना यह है कि दुर्घटना होने के बाद सबसे पहले दोष सड़क, मौसम, वाहन या किस्मत को दिया जाता है। अपनी लापरवाही पर चर्चा बहुत कम होती है। जबकि सच्चाई यह है कि अधिकांश हादसों के पीछे मानवीय गलती ही सबसे बड़ा कारण होती है। सड़क सुरक्षा केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। पुलिस हर चौराहे पर नहीं खड़ी हो सकती और कैमरे हर गलती नहीं पकड़ सकते। जब तक लोग स्वयं यह नहीं समझेंगे कि हेलमेट और सीट बेल्ट उनकी सुरक्षा के लिए हैं, तब तक दुर्घटनाओं का सिलसिला थमना मुश्किल है। आखिरकार सवाल केवल चालान बचाने का नहीं, जीवन बचाने का है। जिस दिन यह बात समझ में आ जाएगी, उस दिन सड़कें भी सुरक्षित होंगी और घरों की खुशियां भी सलामत रहेंगी।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

कमजोर मानसून से बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट

बोध प्रकाश सगुणी

भारत की अर्थव्यवस्था की धड़कन लंबे समय से मानसून की बूंदों के साथ जुड़ी रही है। खेती, खाद्यान्न उत्पादन, ग्रामीण रोजगार और यहां तक कि औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला तक मानसून की स्थिति से प्रभावित होती है। ऐसे में जब मौसम विभाग कमजोर मानसून का संकेत देता है, तो इसका असर केवल खेत-खलिहानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे आर्थिक तंत्र में हलचल पैदा कर देता है। इस वर्ष लगभग 10 प्रतिशत कम वर्षा का अनुमान देश के लिए एक गंभीर चेतावनी की तरह देखा जा रहा है। यह स्थिति केवल एक मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि व्यापक आर्थिक दबाव का संकेत है।

भारत की कृषि व्यवस्था अभी भी बड़े पैमाने पर मानसून पर निर्भर है। सिंचाई के आधुनिक साधनों के बावजूद देश का बड़ा हिस्सा वर्षा आधारित खेती पर टिका हुआ है। धान, तिलहन और दलहन जैसी प्रमुख फसलें सीधे बारिश पर निर्भर करती हैं। जब बारिश कम होती है, तो उत्पादन घटता है और बाजार में आपूर्ति प्रभावित होती है। इसका सीधा असर कीमतों पर पड़ता है, जिससे खाद्य महंगाई बढ़ने लगती है। सब्जियों से लेकर दालों और अनाज तक हर चीज की कीमतें उपभोक्ता की थाली पर दबाव डालती हैं।

कमजोर मानसून का प्रभाव केवल कृषि तक सीमित नहीं रहता। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जो कृषि पर आधारित है, उसमें आय घटने लगती है। किसान की क्रय शक्ति कम होती है, जिससे ग्रामीण बाजारों में मांग घटती है। यह स्थिति छोटे उद्योगों और असंगठित क्षेत्र को भी प्रभावित करती है। परिणामस्वरूप आर्थिक गतिविधियों की गति धीमी हो जाती है। ग्रामीण भारत में रोजगार के अवसर कम हो जाते हैं और पलायन की समस्या और बढ़ सकती है। इसके अलावा, जल संकट एक गंभीर चुनौती बनकर उभरता है। जलाशयों में पानी का स्तर पहले ही घटने लगा है और यदि मानसून कमजोर रहता है तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। पेयजल और सिंचाई दोनों पर दबाव बढ़ता है। शहरों में भी पानी की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर पहले ही नीचे जा चुका है, जिससे भविष्य में जल संकट और गहरा होने की आशंका है।

ऊर्जा क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहता। भारत में जल विद्युत उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा मानसून पर निर्भर है। जब जलाशयों में पानी कम होता है, तो बिजली उत्पादन प्रभावित होता है। इसका असर औद्योगिक उत्पादन और बिजली की कीमतों पर पड़ता है। यदि ऊर्जा लागत बढ़ती है, तो इसका प्रभाव सभी क्षेत्रों की उत्पादन लागत पर पड़ता है और महंगाई को और हवा मिलती है। वैश्विक परिस्थितियाँ भी इस समय भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता पहले से ही महंगाई पर दबाव बना रही है।

ऐसे में यदि घरेलू स्तर पर कमजोर मानसून की स्थिति जुड़ जाती है, तो यह 'दोहरी मार' जैसी स्थिति बन जाती है। एक तरफ आयातित महंगाई और दूसरी तरफ घरेलू उत्पादन में गिरावट, दोनों मिलकर अर्थव्यवस्था को कठिन दौर में धकेल सकते हैं। हालांकि यह भी सच है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत की मौसम पूर्वानुमान प्रणाली में सुधार हुआ है और सरकार ने जल प्रबंधन के कई प्रयास किए हैं। जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और जल संरक्षण अभियान जैसे कार्यक्रम इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का प्रभाव अभी पूरी तरह से दिखाई नहीं देता। जल संचयन संरचनाएं कई जगह या तो अधूरी हैं या उचित रखरखाव के अभाव में निष्क्रिय हो गई हैं।

शहरीकरण ने भी प्राकृतिक जल स्रोतों को प्रभावित किया है। तालाब, झीलें और नदियों के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं। इससे वर्षा जल का संचयन कम हो रहा है और पानी तेजी से बहकर नष्ट हो जाता है। यदि इस प्रवृत्ति को रोका नहीं गया, तो भविष्य में जल संकट और गंभीर रूप ले सकता है।

पर्यावरणीय असंतुलन भी कमजोर मानसून की एक बड़ी वजह माना जा सकता है। वनों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण और अनियंत्रित शहरी विस्तार ने प्राकृतिक चक्र को प्रभावित किया है। मौसम में अनिश्चितता बढ़ी है—कभी अत्यधिक गर्मी, कभी असामान्य ठंड और कभी बेमौसम बारिश। यह सब संकेत है कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अब प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने लगा है। खेती की संरचना भी इस समस्या को बढ़ा रही है। अधिक पानी मांगने वाली फसलों की खेती बढ़ी है, जबकि जल संरक्षण आधारित कृषि मॉडल अभी पूरी तरह विकसित नहीं हो पाया है। यदि कम पानी वाली फसलों और आधुनिक सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा दिया जाए, तो स्थिति को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू है जल उपयोग की आदतों में बदलाव। घरेलू और औद्योगिक दोनों स्तरों पर पानी की खपत लगातार बढ़ रही है। जल संरक्षण केवल नारे तक सीमित रह गया है। यदि लोगों की आदतों में बदलाव नहीं आता, तो आने वाले समय में यह समस्या और गंभीर हो जाएगी।

नीति स्तर पर अब एक दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है। केवल तात्कालिक उपायों से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। जल संरक्षण, कृषि सुधार, वनीकरण और पर्यावरण संतुलन को एक साथ जोड़कर एक व्यापक योजना बनानी होगी। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन को मजबूत करना होगा।

कमजोर मानसून केवल एक मौसम संबंधी घटना नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती है। इसका असर महंगाई, रोजगार, जल संकट और ऊर्जा क्षेत्र तक फैला हुआ है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या भविष्य में और गंभीर रूप ले सकती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह आवश्यक है कि वह प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर विकास की दिशा में आगे बढ़े। केवल तकनीक या योजनाएं ही नहीं, बल्कि जनभागीदारी और व्यवहार परिवर्तन भी इस चुनौती से निपटने के लिए उतने ही जरूरी हैं।

विचार बिन्दु

रुपया गिरा तो जेब हारी, बाजार मुस्कुराया

रामवीर सिंह

भारतीय अर्थव्यवस्था इन दिनों एक दिलचस्प लेकिन चिंताजनक विरोधाभास से गुजर रही है। एक तरफ शेयर बाजार मजबूती का प्रदर्शन कर रहा है, म्यूचुअल फंड में रिकॉर्ड निवेश हो रहा है और निवेशकों का उत्साह बरकरार है। दूसरी तरफ रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होता जा रहा है। सवाल यह है कि जब देश के लोग निवेश कर रहे हैं, बाजार में पैसा आ रहा है और अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती दिख रही है, तो फिर रुपया कमजोर क्यों हो रहा है? यही वह सवाल है जिसने आर्थिक बहस को नई दिशा दे दी है।

कभी कहा जाता था कि शेयर बाजार देश की आर्थिक सेहत का आईना होता है। यदि बाजार चढ़ रहा है तो अर्थव्यवस्था भी मजबूत है। लेकिन आज तस्वीर कुछ अलग दिखाई दे रही है। बाजार ऊपर है, मगर रुपया नीचे जा रहा है। ऐसे में व्यंग्य यही कहता है कि लगता है शेयर बाजार की खुशी और रुपये की परेशानी एक साथ चल रही हैं।

दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में भारत में निवेश की संस्कृति तेजी से बदली है। करोड़ों लोग म्यूचुअल फंड और एसआईपी के माध्यम से शेयर बाजार से जुड़े हैं। हर महीने हजारों करोड़ रुपये नियमित रूप से बाजार में पहुंच रहे हैं। यह पैसा शेयरों की मांग बनाए रखता है और बाजार को गिरने नहीं देता। सुनने में यह अच्छी बात लगती है, लेकिन कहानी का दूसरा पक्ष भी है।

विदेशी निवेशक लंबे समय से भारतीय शेयर बाजार में निवेश करते रहे हैं। जब उन्हें लगता है कि किसी शेयर का मूल्य पर्याप्त बढ़ गया है, तो वे उसे बेचकर मुनाफा कमाते हैं। अब चूंकि भारतीय निवेशकों का पैसा लगातार बाजार में आ रहा है, इसलिए शेयरों के भाव बहुत ज्यादा नहीं गिरते। इसका फायदा विदेशी निवेशकों को मिलता है। वे अपने शेयर अच्छे दामों पर बेचकर डॉलर में पैसा बदलते हैं और उसे अपने देशों में ले जाते हैं।

यहीं से रुपया दबाव में आ जाता है। विदेशी निवेशक जब डॉलर लेकर बाहर जाते हैं तो देश में डॉलर की उपलब्धता घटती है। डॉलर कम होंगे तो उनकी कीमत बढ़ेगी और रुपया कमजोर होगा। यानी भारतीय निवेशकों का पैसा अप्रत्यक्ष रूप से विदेशी निवेशकों को बाहर निकलने का अवसर दे रहा है। इसी तर्क के आधार पर कुछ अर्थशास्त्री मजाकिया अंदाज में कह रहे हैं कि "हमारा रुपया ही हमारे रुपये को गिरा रहा है।"

हालांकि यह पूरी सच्चाई नहीं है। रुपये की कमजोरी के पीछे केवल शेयर बाजार जिम्मेदार नहीं है। भारत आज भी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। कच्चे तेल, गैस, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और कई अन्य वस्तुओं के आयात के लिए भारी मात्रा में डॉलर की आवश्यकता पड़ती है। जब आयात बढ़ता है और निर्यात अपेक्षाकृत कम रहता है, तब भी रुपये पर दबाव बढ़ता है।

इसके अलावा वैश्विक परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यदि अमेरिका में ब्याज दरें आकर्षक हों तो विदेशी निवेशक उभरते बाजारों से पैसा निकालकर अमेरिकी परिसंपत्तियों में निवेश करना पसंद करते हैं। इससे भारत जैसे देशों से डॉलर बाहर जाते हैं और स्थानीय मुद्रा कमजोर होती है।

फिर भी मौजूदा बहस एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करती है। क्या शेयर बाजार को हर हाल में ऊंचा बनाए रखना जरूरी है? या फिर रुपये की मजबूती को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए? यह सवाल आसान नहीं है। क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट आने पर करोड़ों निवेशकों की पूंजी प्रभावित होगी, कंपनियों की फंडिंग महंगी हो सकती है और आर्थिक विश्वास को भी झटका लग सकता है। दूसरी ओर कमजोर रुपया सीधे आम आदमी की जेब पर असर डालता है। पेट्रोल और डीजल महंगे होते हैं। परिवहन लागत बढ़ती है। खाद्य पदार्थों से लेकर रोजमर्रा की वस्तुओं तक की कीमतें प्रभावित होती हैं। यानी शेयर बाजार की गिरावट का दर्द निवेशकों तक सीमित रह सकता है, लेकिन रुपये की कमजोरी का असर पूरे देश को भुगतना पड़ता है। यही वजह है कि नीति निर्माताओं के सामने संतुलन बनाने की चुनौती है। उन्हें ऐसा वातावरण तैयार करना होगा जहां विदेशी निवेश भी बना रहे, घरेलू निवेशकों का भरोसा भी कायम रहे और रुपये पर अनावश्यक दबाव भी न बढ़े। इसके लिए निर्यात बढ़ाना, आयात पर निर्भरता कम करना और विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत बनाना आवश्यक है।

अंततः यह बहस केवल रुपये और डॉलर की नहीं, बल्कि आर्थिक प्राथमिकताओं की है। शेयर बाजार की चमक अच्छी बात है, लेकिन यदि उसी दौरान रुपया लगातार कमजोर होता जाए तो विकास की तस्वीर अधूरी रह जाती है। मजबूत अर्थव्यवस्था वही होती है जहां बाजार भी स्वस्थ हो और मुद्रा भी मजबूत।

फिलहाल हालात कुछ ऐसे हैं कि दलाल स्ट्रीट पर जश्न का माहौल है, जबकि रुपया चिंता में डूबा हुआ है। चुनौती यह है कि दोनों को एक साथ मुस्कुराने का मौका कैसे मिले। क्योंकि जब रुपया मजबूत होगा, तभी आम आदमी की जेब भी मजबूत होगी, और आखिरकार किसी भी अर्थव्यवस्था की असली ताकत उसकी जनता की क्रय शक्ति ही होती है।

अफगानिस्तान के बीच होने वाली बहुप्रतीक्षित वनडे सीरीज

हार्दिक पांड्या की वापसी पर फिटनेस बना सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाली बहुप्रतीक्षित वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें वनडे टीम में शामिल तो कर लिया है, लेकिन उनकी अंतिम उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर करेगी। ऐसे में हार्दिक अब अपनी फिटनेस साबित करने के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का रुख करने वाले हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 13 जून से होगा। इससे पहले 6 जून से दोनों टीमों के बीच टेस्ट मुकाबला खेला जाएगा। वनडे सीरीज के लिए घोषित भारतीय टीम की कमान शुभमन गिल के हाथों में है। टीम चयन के दौरान ही बीसीसीआई ने स्पष्ट कर दिया था कि

हार्दिक पांड्या और रोहित शर्मा की भागीदारी उनकी फिटनेस रिपोर्ट पर निर्भर करेगी। जानकारी के अनुसार, हार्दिक पांड्या सीओई में कुछ दिनों तक विशेष ट्रेनिंग और फिटनेस सेशन में हिस्सा लेंगे। वहां उनकी शारीरिक स्थिति का आकलन किया जाएगा। यदि वे पूरी तरह फिट पाए जाते हैं, तभी उन्हें अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। यह सीरीज उनके लिए खुद को साबित करने का बड़ा अवसर भी मानी जा रही है। गौरतलब है कि हार्दिक ने भारत के लिए अपना आखिरी वनडे मुकाबला मार्च 2025 में खेला था। इसके बाद चोटों के कारण वे लंबे समय तक टीम से बाहर रहे। पिछले कुछ महीनों में उनकी फिटनेस लगातार चर्चा का विषय बनी रही है। ऐसे में फैंस की नजरें अब उनकी वापसी पर टिकी हैं। आईपीएल 2026 के दौरान भी हार्दिक पूरी तरह फिट नहीं रह सके थे। चोट के चलते वे मुंबई इंडियंस के लिए कई अहम मुकाबलों में नहीं खेल पाए। उनकी गैरमौजूदगी में सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह ने टीम की कप्तानी संभाली, लेकिन मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही और प्लेऑफ की दौड़ से काफी पहले बाहर हो गई। अब सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि क्या हार्दिक पांड्या फिटनेस टेस्ट पास कर अफगानिस्तान के खिलाफ मैदान पर उतर पाएंगे। अगर ऐसा होता है तो भारतीय टीम को एक अनुभवी ऑलराउंडर का साथ मिलेगा, जो बल्ले और गेंद दोनों से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखता है।

ललित मोदी ने सालों बाद तोड़ी चुप्पी

'गोल्ड डिगर नहीं, मेरी जिंदगी का हीरा थीं सुष्मिता'

यूनिक समय, नई दिल्ली। पूर्व आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी ने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड सुष्मिता सेन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने उन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया, जिनमें सुष्मिता को 'गोल्ड डिगर' कहा गया था। ललित मोदी का कहना है कि सुष्मिता एक आत्मनिर्भर और सफल महिला हैं, जिन्हें किसी के पैसों की जरूरत नहीं थी। एक इंटरव्यू में ललित मोदी ने कहा कि जब 2022 में उनके और सुष्मिता के रिश्ते की खबर सामने आई थी, तब अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया। कई लोगों ने उन्हें पैसों के लिए रिश्ते में आने वाली महिला बताया, लेकिन सच्चाई बिल्कुल अलग थी। मोदी ने मजाकिया अंदाज में कहा, "सुष्मिता गोल्ड डिगर नहीं थीं, बल्कि मैं डायमंड डिगर था।" उन्होंने बताया कि कई मौकों पर जब दोनों साथ बाहर जाते थे, तो खर्च सुष्मिता ही उठाती थीं। रेस्तरां से लेकर अन्य कार्यक्रमों तक, अधिकतर बिल वही चुकाती थीं। उन्होंने आगे कहा कि सुष्मिता बेहद संपन्न और मजबूत व्यक्तित्व वाली महिला हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर सब कुछ हासिल किया है। यही वजह है कि उन्हें 'गोल्ड डिगर' कहना पूरी तरह गलत था। ललित मोदी ने यह भी स्वीकार किया कि सुष्मिता उनकी जिंदगी का एक बेहद खास हिस्सा रही हैं। हालांकि दोनों का रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चला, लेकिन आज भी वह उनके लिए सम्मान रखते हैं। उनके अनुसार, दोनों के अलग होने की सबसे बड़ी वजह दूरी थी। सुष्मिता भारत में अपने करियर पर ध्यान दे रही थीं, जबकि उनकी जिंदगी लंदन में थी। गौरतलब है कि सुष्मिता सेन भी पहले सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स को जवाब दे चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि उन्हें अपनी पसंद की चीजें खुद खरीदना पसंद है। अब ललित मोदी के बयान ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि उनके रिश्ते में पैसों से ज्यादा अहमियत सम्मान और आपसी समझ की थी।

इवेंट में मची अफरा–तफरी

'राम चरण' समझकर दौड़ा फैन, जाह्नवी कपूर को लगा जोरदार धक्का

यूनिक समय, नई दिल्ली। राम चरण और जाह्नवी कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज से पहले आयोजित प्री–रिलीज इवेंट में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक शख्स अचानक सुरक्षा घेरा तोड़कर मंच की ओर दौड़ पड़ा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और इसे देखकर फैंस भी हैरान रह गए हैं। दरअसल, कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर मंच पर रखे सोफे पर बैठी हुई थीं। तभी राम चरण के हमशक्ल जैसा दिखने वाला एक शख्स तेजी से उनकी ओर दौड़ता हुआ आया। बताया जा रहा है कि वह राम चरण से मिलने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मंच तक पहुंचने के दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और उसने जाह्नवी कपूर को जोरदार धक्का मार दिया। धक्का इतना तेज था कि जिस

सोफे पर जाह्नवी बैठी थीं, वह पीछे की ओर पलट गया। अचानक हुई इस घटना से अभिनेत्री बुरी तरह घबरा गईं। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों और टीम के सदस्यों ने तुरंत स्थिति को संभाला। राम चरण के बॉडीगार्ड्स भी फौरन हरकत में आए और उस शख्स को मंच से हटाकर बाहर ले गए।

बॉडीगार्ड्स ने तुरंत संभाला मोर्चा

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जाह्नवी कुछ पल के लिए पूरी तरह सहम गई थीं। हालांकि राहत की बात यह रही कि उन्हें किसी तरह की गंभीर चोट नहीं लगी। घटना के बाद कार्यक्रम को दोबारा सामान्य तरीके से जारी रखा गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को देखकर फैंस लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "जाह्नवी कपूर काफी डर गई थीं, यह किसी के साथ भी हो सकता था।" वहीं दूसरे यूजर ने कहा, "सिक्योरिटी में इतनी बड़ी चूक चिंता का विषय है।" कई लोगों ने अभिनेत्री की सलामती की कामना भी की। बता दें कि राम चरण और जाह्नवी कपूर अभिनीत 'पेड्डी' 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म के ट्रेलर और गानों को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है, जिसके चलते फिल्म को लेकर उत्साह चरम पर है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि रिलीज के बाद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितना धमाल मचाती है।

अजय देवगन फिर बनेंगे विजय सालगांवकर

यूनिक समय, नई दिल्ली। मोहनलाल स्टारर 'दृश्यम 3' की शानदार सफलता के बीच बॉलीवुड की 'दृश्यम 3' को लेकर भी बड़ा अपडेट सामने आया है। अजय देवगन की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। निर्देशक अभिषेक पाठक ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए पूरी टीम का आभार जताया। अभिषेक पाठक ने बताया कि पिछले कई महीनों से पूरी टीम इस फिल्म पर लगातार काम कर रही थी। शूटिंग के दौरान कई चुनौतियां आईं, लेकिन कलाकारों और क्रू मेंबर्स ने पूरी मेहनत और समर्पण के साथ फिल्म को पूरा किया। उन्होंने कहा कि यह सफर यादगार रहा और सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया। दृश्यम फ्रेंचाइजी भारतीय सिनेमा की सबसे सफल थ्रिलर फिल्मों में गिनी जाती है। हिंदी संस्करण में अजय देवगन ने विजय सालगांवकर का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया था। पहले दोनों भाग बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुए थे और अब तीसरे भाग का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। वहीं, मोहनलाल की 'दृश्यम 3' हाल ही में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 228 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। इसकी सफलता के बाद हिंदी संस्करण को लेकर भी दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। अजय देवगन एक बार फिर विजय सालगांवकर के रूप में बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर रहे हैं और यह फिल्म 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस को उम्मीद है कि यह फिल्म भी अपने पिछले दोनों भागों की तरह बड़ी सफलता हासिल करेगी।

न विराट, न रजत. आरसीबी का असली 'लकी चार्म' निकला ये गेंदबाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। टीम की सफलता में विराट कोहली, रजत पाटीदार और अन्य स्टार खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही, लेकिन एक खिलाड़ी ऐसा भी रहा जिसने चुपचाप टीम के लिए सबसे बड़ा 'लकी चार्म' बनने का काम किया। यह खिलाड़ी न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी हैं, जिनका रिकॉर्ड इस सीजन में बेहद दिलचस्प और अनोखा रहा। जैकब डफी को पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ 6 मैच खेलने का मौका मिला, लेकिन उनकी मौजूदगी आरसीबी के लिए जीत की गारंटी साबित हुई। खास बात यह रही कि डफी जिस भी मुकाबले में टीम का हिस्सा बने, उस मैच में आरसीबी ने जीत दर्ज की। यानी उनके खेलते समय टीम का जीत प्रतिशत

100 फीसदी रहा। आईपीएल इतिहास में ऐसा रिकॉर्ड बहुत कम खिलाड़ियों के नाम दर्ज है। कम से कम पांच मैच खेलने के बाद अपनी टीम को हर मुकाबले में जीत दिलाने वाले खिलाड़ियों की सूची में अब जैकब डफी भी शामिल हो गए हैं। साल 2009 के बाद पहली बार किसी खिलाड़ी ने यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। डफी के व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 6 मैचों में 9 विकेट अपने नाम किए। हालांकि उनकी इकॉनमी रेट 10.95 रही, लेकिन उन्होंने कई अहम मौकों पर विकेट निकालकर टीम को बढ़त दिलाई। पावरप्ले और डेथ ओवरों में उनकी गेंदबाजी आरसीबी के लिए काफी उपयोगी साबित हुई। दबाव भरे क्षणों में भी उन्होंने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। आईपीएल इतिहास की इस खास सूची में सबसे ऊपर पलानी अमरनाथ का नाम है, जिन्होंने

17 साल बाद दोहराया गया खास कारनामा

2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेले सभी 6 मैचों में जीत का स्वाद चखा था। दूसरे स्थान पर हरमीत सिंह हैं, जिन्होंने 2009 में डेक्कन चार्जर्स के लिए 7 मैच खेले और हर बार टीम को जीत मिली। अब जैकब डफी भी इस प्रतिष्ठित सूची में जगह बनाने में सफल रहे हैं। आरसीबी की खिताबी जीत के बीच डफी का यह रिकॉर्ड चर्चा का विषय बना हुआ है। यह साबित करता है कि क्रिकेट में सिर्फ बड़े नाम ही नहीं, बल्कि टीम के हर खिलाड़ी का योगदान मायने रखता है। कई बार पर्दे के पीछे रहने वाले खिलाड़ी ही जीत की सबसे मजबूत नींव तैयार करते हैं और जैकब डफी इसका ताजा उदाहरण हैं।

यूपी में आंधी का तांडव, बारिश बनी आफत

आंधी–बारिश से जनजीवन हुआ प्रभावित

आगरा में सड़कें धंसने से अफरा–तफरी

वाराणसी में आंधी–बवंडर से गंगा में नावें चलना बंद

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आंधी और बारिश का दौर जारी है। मंगलवार को वाराणसी, आगरा, मथुरा समेत कई जिलों में मौसम ने अचानक करवट ली। वाराणसी में दोपहर के समय करीब 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली, जिससे घाटों पर अफरा–तफरी मच गई। सुरक्षा के मद्देनजर गंगा में नावों का संचालन तत्काल रोक दिया गया। तेज हवाओं के कारण घाट किनारे बवंडर भी दिखाई दिया, जबकि दुकानदारों ने अपनी दुकानें समेट लीं। आगरा में करीब एक घंटे तक मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं ने हालात बिगाड़ दिए। कई कॉलोनियों और सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। कुछ इलाकों में पानी घरों के भीतर तक पहुंच गया। आवास विकास सेक्टर–4 में सड़क धंसने से करीब 25 फीट गहरा गड्ढा बन गया, जिसमें ईंटों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली फंस गई। शमशाबाद रोड स्थित इंदिरापुरम में सड़क धंसने से एक वैन पलट गई। कई स्थानों पर कारें और ट्रक भी गड्ढों में फंस गए। छीपीटोला क्षेत्र में एक मकान गिरने की भी सूचना है। मथुरा में सोमवार देर रात हुई बारिश से गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर घुटनों तक पानी भर गया। इसके बावजूद श्रद्धालु परिक्रमा करते नजर आए। मौसम विभाग ने मंगलवार को प्रदेश के 9 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं बुधवार के लिए 35 जिलों में चेतावनी जारी की गई है। विभाग के अनुसार 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और बिजली गिरने की भी आशंका है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार 3 जून से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिसका असर 5 जून तक पूरे प्रदेश में दिखाई देगा। इस दौरान बारिश, तेज हवाएं और कहीं–कहीं ओलावृष्टि की संभावना बनी रहेगी, जबकि गर्मी से राहत मिलेगी।

शिक्षा विभाग में बड़ा फेरबदल

प्रताप बघेल बने माध्यमिक शिक्षा निदेशक

अनिल भूषण को बेसिक शिक्षा की जिम्मेदारी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा विभाग में महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव करते हुए प्रताप सिंह बघेल को माध्यमिक शिक्षा निदेशक और अनिल भूषण चतुर्वेदी को बेसिक शिक्षा निदेशक नियुक्त किया है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा अनुभाग–6 के विशेष सचिव कृष्ण कुमार गुप्त ने आदेश जारी किया है। प्रताप सिंह बघेल ने मंगलवार को माध्यमिक शिक्षा निदेशक का कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले वह बेसिक शिक्षा विभाग के निदेशक के रूप में कार्यरत थे। वहीं, अनिल भूषण चतुर्वेदी को बेसिक शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिक्षा प्रशासन में दोनों अधिकारियों का लंबा अनुभव रहा है। शासन को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, बेहतर समन्वय और समयबद्ध निगरानी सुनिश्चि त होगी। इससे शिक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिलने की संभावना है। गौरतलब है कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के पूर्व निदेशक डॉ. महेंद्र देव का कार्यकाल 31 मई को पूरा हो गया था। उनके स्थान पर अब प्रताप सिंह बघेल को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। शिक्षा विभाग में हुए इस बदलाव को प्रशासनिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है।

माध्यमिक शिक्षकों के तबादले जून अंत तक

शासन ने जारी किया नया आदेश

लंबे इंतजार के बाद मिली राहत

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर है। शासन ने शिक्षकों के तबादलों को लेकर शासनादेश जारी कर दिया है। इसके तहत जून माह के अंत तक स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी करने की तैयारी की गई है।

शासनादेश जारी होने के बाद माध्यमिक शिक्षा विभाग जल्द ही विस्तृत समय–सारिणी जारी करेगा। इसमें आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और स्थानांतरण की पूरी प्रक्रिया के लिए समय–सीमा निर्धारित की जाएगी। विभाग का लक्ष्य तय समय में पारदर्शी तरीके से तबादलों को पूरा करना है।

राजकीय विद्यालयों के शिक्षक लंबे समय से तबादला प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। कई शिक्षकों ने पारिवारिक, स्वास्थ्य और अन्य कारणों से स्थानांतरण की मांग कर रखी थी। शासन के इस फैसले से उनकी उम्मीदों को बल मिला है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार सभी स्थानांतरण निर्धारित नियमों और मानकों के अनुरूप किए जाएंगे। तबादला प्रक्रिया पूरी होने से विभिन्न जिलों में कार्यरत शिक्षकों को सुविधा मिलेगी और उनकी लंबित मांगों का समाधान हो सकेगा। इससे शिक्षा व्यवस्था के सुचारू संचालन में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

बिजली महंगी कर चुनावी खर्च जुटा रही सरकार

अखिलेश ने भाजपा पर साधा निशाना

आत्मदाह की घटनाओं पर जताई चिंता

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर महंगाई बढ़ाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बिजली बिलों पर लगाया गया अधिभार वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के खर्चों की तैयारी का हिस्सा है। सरकार जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालकर उनकी जेब काट रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार डीजल, पेट्रोल, बिजली और रसोई गैस के दाम बढ़ा रही है। इससे आम जनता, किसान और गरीब वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी।

सपा प्रमुख ने मुख्यमंत्री आवास के सामने रोडवेज संविदाकर्मियों द्वारा आत्मदाह के प्रयास का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार से निराशा इतनी बढ़ गई है कि पीड़ित लोग आत्मदाह जैसे कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं। यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की समस्याओं और आवाज को सुनने के बजाय सरकार अहंकार में डूबी हुई है।

पिता प्रतीक यादव की याद में बेटी ने बनवाया टैटू

हाथ पर उकेरी भावुक तस्वीर खास

सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई और दिवंगत नेता प्रतीक यादव की बेटी पद्मजा ने अपने पिता की याद को हमेशा के लिए संजोने का अनोखा तरीका चुना है। पद्मजा ने अपने हाथ पर पिता की तस्वीर का टैटू बनवाया है, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। टैटू में प्रतीक यादव अपनी बेटी पद्मजा को प्यार से सीने से लगाए हुए दिखाई दे रहे हैं। यह भावुक तस्वीर पिता–पुत्री के गहरे रिश्ते और स्नेह को दर्शाती है। टैटू आर्टिस्ट साक्षी पंवार ने इस प्रक्रिया का वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया है। वीडियो में पद्मजा अपने हाथ पर बने टैटू को बार–बार देखती नजर आती हैं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि अब उनके पापा हमेशा उनके साथ रहेंगे। इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोग भावुक प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोगों ने इसे पिता के प्रति प्रेम, सम्मान और अटूट जुड़ाव का प्रतीक बताया है।

फाजिलनगर का नाम बदलेगा, अब कहलाएगा पावागढ़ नगर

सीएम योगी ने 278 परियोजनाओं की दी सौगात

यूनिक समय, कुशीनगर। कुशीनगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 278 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह क्षेत्र भगवान महावीर, भगवान बुद्ध और भगवान राम के पुत्र कुश से जुड़ी ऐतिहासिक एवं धार्मिक विरासत का केंद्र रहा है। इसलिए इसकी पहचान को और मजबूत करने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में विकास और सुशासन के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में कानून–व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक थी और विभिन्न प्रकार के माफियाओं का प्रभाव देखने को मिलता था। लेकिन वर्तमान सरकार ने अपराध और माफिया तंत्र के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर प्रदेश में सुरक्षा का माहौल स्थापित किया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले प्रदेश पहचान और बीमारी के संकट से जूझ रहा था, जबकि आज विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ाए हैं। अब सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता आई है और कुशीनगर के युवाओं को भी नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में और सुधार आएगा। उन्होंने जनता से विकास कार्यों में सहयोग करने और प्रदेश को आगे बढ़ाने में भागीदारी निभाने की अपील की।

बंगाल की राजनीति में बड़ा सियासी भूचाल

टीएमसी में बगावत की आहट ममता बनर्जी की बढ़ी चिंता

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर बड़ा भूचाल आने के संकेत मिल रहे हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। पार्टी से निष्कासित नेता रिजु दत्ता ने दावा किया है कि 50 से अधिक विधायक उनके साथ हैं और वे खुद को "असली तृणमूल कांग्रेस" घोषित करने की तैयारी कर रहे हैं। इस दावे ने राज्य की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। रिजु दत्ता के अनुसार, उनके समर्थक विधायक विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रख सकते हैं। इनमें खुद को असली टीएमसी बताना, विपक्ष के नेता के रूप में ऋतब्रत बनर्जी को मान्यता दिलाना और पार्टी के चुनाव चिन्ह पर दावा करना शामिल है। हालांकि, किसी नए गुट को आधिकारिक मान्यता मिलने के

लिए दो-तिहाई यानी कम से कम 54 विधायकों का समर्थन आवश्यक होगा।

राजनीतिक हलचल तब और बढ़ गई जब हाल ही में पार्टी से निलंबित किए गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा ने कई विधायकों के साथ बैठक की। दोनों नेताओं का आरोप है कि नेता प्रतिपक्ष के चयन से जुड़े दस्तावेजों में उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे। शिकायत करने के बाद उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया गया।

इस घटनाक्रम पर भाजपा, कांग्रेस और टीएमसी नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। भाजपा ने टीएमसी

50 से अधिक विधायकों के समर्थन का दावा

ममता सरकार की बढ़ीं राजनीतिक चुनौतियां

नेताओं के लिए पार्टी के दरवाजे बंद होने की बात कही है, जबकि टीएमसी नेतृत्व का दावा है कि अधिकांश विधायक अब भी ममता बनर्जी के साथ हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि असंतोष बढ़ता है तो आने वाले दिनों में बंगाल की राजनीति में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। फिलहाल सभी की नजरें टीएमसी के भीतर चल रहे घटनाक्रम और संभावित शक्ति प्रदर्शन पर टिकी हैं।

ट्विशा हत्याकांड में कोर्ट का आदेश

मां-बेटे को चार दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। ट्विशा शर्मा हत्याकांड में मंगलवार को बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया। सीबीआई की विशेष अदालत ने मामले के आरोपियों, सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को 16 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। दोनों से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पिछले कई दिनों से पूछताछ कर रही थी। जांच एजेंसी ने प्रारंभिक पूछताछ पूरी होने के बाद दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला सुनाया। आदेश के बाद दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच भोपाल केंद्रीय जेल भेज दिया गया।

16 जून तक जेल में रहेंगे आरोपी

सूत्रों के अनुसार, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जेल प्रशासन ने दोनों आरोपियों को सामान्य कैदियों से अलग रखने का निर्णय लिया है। उनकी सुरक्षा और निगरानी के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

गौरतलब है कि ट्विशा शर्मा हत्याकांड ने प्रदेश में व्यापक चर्चा पैदा की है। मामले की जांच सीबीआई कर रही है और एजेंसी विभिन्न पहलुओं की गहन पड़ताल में जुटी हुई है। आने वाले दिनों में जांच से जुड़े और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

दो साल की प्रिशा ने रचा अनोखा कीर्तिमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान की राजधानी जयपुर की दो वर्षीय प्रिशा अपनी असाधारण स्मरण शक्ति के कारण चर्चा में है। इतनी कम उम्र में 30 से अधिक वैदिक और धार्मिक मंत्रों का शुद्ध उच्चारण कर उन्होंने एक अनूठी उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस प्रतिभा को देखते हुए उनका नाम इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

बताया जाता है कि प्रिशा ने महज 20 महीने की उम्र में पहला मंत्र याद किया था। इसके बाद उन्होंने तेजी से कई वैदिक मंत्र और धार्मिक श्लोक कंठस्थ कर लिए। उनकी स्पष्ट उच्चारण क्षमता और याददाश्त ने लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है।

प्रिशा की सफलता के पीछे परिवार का आध्यात्मिक वातावरण और माता-पिता का विशेष योगदान माना जा रहा है। घर में नियमित पूजा-पाठ और मंत्रोच्चारण के बीच उन्होंने सहज रूप से इन मंत्रों को सीखना शुरू किया।

30 से अधिक मंत्र किए कंठस्थ

इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम

परिवार ने उन्हें बिना किसी दबाव के खेल-खेल में सीखने का अवसर दिया। नन्हीं प्रिशा की उपलब्धि यह संदेश देती है कि सही मार्गदर्शन, सकारात्मक माहौल और प्रोत्साहन मिलने पर बच्चे कम उम्र में भी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। उनकी सफलता पर परिवार और शहर में खुशी का माहौल है।

महाराष्ट्र परिषद चुनाव से बढ़ी सियासी हलचल

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विधान परिषद की 17 सीटों के लिए होने वाले चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनावी माहौल के बीच शिवसेना के दोनों गुटों के नेताओं के बयानों ने एक बार फिर उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के संभावित समीकरण को लेकर चर्चाओं को हवा दे दी है।

महायुति और महाविकास आघाड़ी दोनों गठबंधनों ने अपने उम्मीदवार मैदान में उतार दिए हैं, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती बागी प्रत्याशी बनते दिखाई दे रहे हैं। कई सीटों पर गठबंधन दलों के असंतुष्ट नेताओं ने अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ नामांकन दाखिल कर मुकाबले को रोचक बना दिया है। महायुति सभी 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि महाविकास आघाड़ी 15 सीटों पर अपनी किस्मत आजमा रही है। संभाजीनगर, नासिक, पुणे, रायगढ़, नांदेड और जलगांव जैसी

उद्धव-शिंदे समीकरण पर बढ़ीं अटकलें

बागियों ने बढ़ाई गठबंधनों की मुश्किल

सीटों पर बगावत ने समीकरण बदल दिए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव परिणाम न केवल विधान परिषद की तस्वीर तय करेंगे, बल्कि महाराष्ट्र की भविष्य की राजनीति और गठबंधन समीकरणों की दिशा भी स्पष्ट कर सकते हैं। फिलहाल सभी दल बागियों को मनाने और संगठन को एकजुट रखने में जुटे हैं।

अमेरिका में बड़ा अभियान, 30 भारतीय ट्रक चालक गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 30 भारतीय ट्रक चालकों को गिरफ्तार किया गया है। अमेरिकी संघीय एजेंसियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए इन लोगों को हिरासत में लिया, जिन पर देश में अवैध रूप से रहकर कमर्शियल ट्रक चलाने का आरोप है। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई एरिजोना के यूमा सेक्टर में चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन चेकमेट' के तहत की गई। पांच दिनों तक चले अभियान में कुल 52 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें 36 ट्रक चालक शामिल थे। इनमें से 30 भारतीय नागरिक बताए गए हैं। जांच में सामने आया कि कई चालकों के पास विभिन्न अमेरिकी राज्यों द्वारा जारी कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस थे, जबकि कुछ के पास वैध दस्तावेज भी नहीं मिले। अमेरिकी एजेंसियों का कहना

अवैध प्रवासियों पर सख्त हुई कार्रवाई

डिपोर्टेशन प्रक्रिया शुरू होने के संकेत

है कि सभी मामलों की जांच की जा रही है और आव्रजन नियमों के तहत आगे की कार्रवाई होगी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक इस अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और अवैध रूप से रह रहे चालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना है।

ट्रैफिक जाम पर सख्त हुए सीएम सोरेन

यूनिक समय, नई दिल्ली। रांची में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सख्त रुख अपनाया है। शहर की यातायात व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने पुलिस प्रशासन को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री की नाराजगी के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी सड़कों पर उतरकर स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। रांची के एसएसपी और ट्रैफिक एसपी ने शहर के प्रमुख मार्गों का निरीक्षण करते हुए पुलिसकर्मियों को यातायात संचालन में अधिक सक्रिय रहने को कहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि केवल ट्रैफिक पोस्ट पर खड़े रहने के बजाय सड़क पर उतरकर वाहनों की आवाजाही सुचारु बनानी होगी। पुलिस प्रशासन ने नो-पार्किंग क्षेत्रों में वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

सड़क पर उतरकर लिया हालात का जायजा

पुलिस को सक्रिय रहने के निर्देश

के निर्देश दिए हैं। साथ ही ई-रिक्शा और ऑटो चालकों को बीच सड़क पर सवारी चढ़ाने-उतारने से बचने को कहा गया है।

इसके अलावा अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाने और अवैध पार्किंग पर कार्रवाई करने की भी तैयारी है। प्रशासन ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन कर शहर को जाम मुक्त बनाने में सहयोग की अपील की है।

बुजुर्ग पर हमले का इनामी आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। देहरादून के नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में एक बुजुर्ग पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हत्या के प्रयास के आरोप में फरार चल रहे 20 हजार रुपये के इनामी आरोपी हिमांशु डंगवाल उर्फ मिंटू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 19 मई को आरोपी और उसके साथियों ने सुशील मौर्य नामक बुजुर्ग पर लोहे की रॉड और बेसबॉल बैट से हमला किया था। गंभीर रूप से घायल सुशील मौर्य को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

घटना के बाद आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था। एसएसपी के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत पुलिस ने आरोपी को आईएसबीटी क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल बेसबॉल बैट भी बरामद कर लिया गया।

पहलगाम हमले की जांच में नया मोड़ अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की पड़ताल तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच में नया मोड़ सामने आया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अपनी जांच का दायरा बढ़ाते हुए संभावित अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क की कड़ियों की भी पड़ताल शुरू कर दी है। हाल ही में दाखिल आरोपपत्र में एजेंसी ने संकेत दिया है कि कुछ वैश्विक आतंकी संगठनों से संभावित संबंधों की जांच अभी जारी है।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हमले की योजना और क्रियान्वयन में किसी विदेशी संगठन की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष भूमिका रही या नहीं।

इसी क्रम में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क, सीमा

डिजिटल और वित्तीय सुरागों पर फोकस

पार गतिविधियों और संदिग्ध संपर्कों की जांच की जा रही है। एनआईए हमले के तरीके, लक्ष्य चयन और हमलावरों की रणनीति का भी गहन विश्लेषण कर रही है। इसके साथ ही डिजिटल कम्युनिकेशन, सोशल मीडिया गतिविधियों और वित्तीय लेन-देन से जुड़े सुरागों को भी खंगाला जा रहा है।

फिलहाल एजेंसी किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है, लेकिन जांच के नए पहलुओं ने इस मामले को और गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियां हर संभावित कड़ी की बारीकी से जांच कर रही हैं।

रूस का भीषण मिसाइल हमले से दहला यूक्रेन

यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई प्रमुख शहरों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमला किया, जिससे भारी तबाही मची है। रिपोर्टों के अनुसार, हमले में 60 से अधिक क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। रूसी सेना ने इस्कंदर-एम, जिरकॉन हाइपरसोनिक मिसाइलों और अन्य आधुनिक हथियारों से कई सैन्य और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया। वहीं यूक्रेन ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम और पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों के जरिए जवाबी कार्रवाई की। सबसे अधिक नुकसान कीव में हुआ, जहां कई रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों के अनुसार, कुछ इलाकों में कथित तौर पर "डबल टैप" रणनीति अपनाई गई, जिसमें एक ही स्थान पर दो बार हमला किया गया। इससे बचाव कार्यों में भी मुश्किलें बढ़ गईं। हमले में कई लोगों के घायल होने और जान-माल के नुकसान की खबर है। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई है। हजारों नागरिकों ने सुरक्षा के लिए मेट्रो स्टेशनों और भूमिगत आश्रयों में रात बिताई। राहत और बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

बांकेबिहारी कॉरिडोर पर उठे पारदर्शिता के सवाल, आरटीआई दाखिल

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के प्रस्तावित कॉरिडोर को लेकर जनमानस में व्याप्त असमंजस, भूमि क्रय प्रक्रिया, मुआवजा निर्धारण और सांस्कृतिक धरोहरों पर संभावित प्रभाव से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के बीच परियोजना की पारदर्शिता सुनिश्चित करने को डीएम कार्यालय और मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण में एक सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन दायर किया गया है। यह आवेदन वृंदावन निवासी सामाजिक

कार्यकर्ता एवं सोशल आउटरीच कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीपक पाराशर ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत प्रस्तुत किया है। आरटीआई के माध्यम से कॉरिडोर परियोजना से संबंधित सभी शासनादेशों, स्वीकृत विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर), कुल स्वीकृत बजट, अब तक हुए व्यय और परियोजना की प्रशासनिक- वित्तीय स्वीकृतियों की प्रमाणित प्रतियां मांगी गई हैं। साथ ही परियोजना से प्रभावित होने वाले भवनों, दुकानों, परिवारों की संख्या, मुआवजा निर्धारण के आधार और पुनर्वास- पुनर्स्थापन नीति से संबंधित जानकारी भी मांगी गई है।

प्राचीन श्रीराधावल्लभ मंदिर औरश्री मदनमोहन मंदिर के 100 मीटर संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों का विवरण मांगते हुए यह भी पूछा गया है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और अन्य सक्षम प्राधिकारियों से आवश्यक अनुमति,अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त किए गए हैं अथवा नहीं। मंदिर प्रशासन, कोष संचालन व्यवस्था और परियोजना के संबंध में आयोजित जनसुनवाइयों और बैठकों के कार्यवृत्त (मिनट्स ऑफ मीटिंग) की जानकारी भी आरटीआई में मांगी गई है। आवेदक दीपक पाराशर ने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस महत्वाकांक्षी प्रकल्प के संबंध में सभी तथ्य सार्वजनिक होना लोकतांत्रिक जवाबदेही और जनहित की दृष्टि से आवश्यक हैं।

जवाहर बाग कांड की 10वीं बरसी पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मंगलवार को जवाहर बाग में शहीद एसपी सिटी मुकुल द्विवेदी और थाना प्रभारी संतोष यादव को श्रद्धांजलि देते मॉर्निंग वॉकर्स कम्युनिटी के सदस्य।

यूनिक समय, मथुरा। जवाहर बाग कांड के 10 वर्ष होने पर मंगवार सुबह जवाहर बाग मॉर्निंग वॉकर्स कम्युनिटी के सदस्यों ने शहीद एसपी सिटी मुकुल द्विवेदी और शहीद एसओ संतोष यादव के स्मारक पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने शहीद अधिकारियों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम में समाजसेवी जल पुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे ने कहा कि शहीदों का बलिदान समाज और देश के लिए प्रेरणास्त्रोत है, ऐसे वीर अधिकारियों की स्मृति सदैव लोगों के हृदय में जीवित रहेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता अजय गौतम ने कहा कि शहीदों के त्याग और समर्पण को कभी भुलाया नहीं जा सकता। श्रद्धांजलि सभा में दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को याद किया गया। उपस्थित लोगों ने उनके बलिदान को नमन करते हुए देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन का संकल्प लिया। इस दौरान सतीश अग्रवाल कसेरे, कुंज बिहारी सिंघल, अशोक भारद्वाज, बालकृष्ण बालो, श्याम अग्रवाल, अजय महेश्वरी, गिरीश वर्मा, अधिवक्ता उमेश पचौरी, सुशील गोयल, नीरज गोयल, राजू चावला, महेश खंडेलवाल, महेंद्र चौधरी सहित बड़ी संख्या में मॉर्निंग वॉकर्स कम्युनिटी के सदस्य उपस्थित रहे।

ठा. बांकेबिहारी मंदिर की व्यवस्थाएं सुधारने की मांग

ब्रज वृंदावन देवालय समिति के बैनर तले आयोजित अभिनंद समारोह में बांकेबिहारी मंदिर के नए सदस्य समिति के पदाधिकारियों के साथ।

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रज वृंदावन देवालय समिति के बैनर तले श्री षड्भुज महाप्रभु मंदिर में आयोजित समारोह में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर उच्चाधिकार समिति में नियुक्त चारों गोस्वामियों का अभिनंदन किया गया। समिति के अध्यक्ष आलोक कृष्ण गोस्वामी और महासचिव अनघा श्रीनिवासन ने नव नियुक्त सदस्य शैलेन्द्र गोस्वामी, रजत गोस्वामी, गोपेश गोस्वामी और हिमांशु गोस्वामी का अभिनंदन किया। आशा व्यक्त की कि उनके समिति में शामिल होने से ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर की व्यवस्थाओं में सकारात्मक सुधार आएगा। ठाकुर सेवा की प्राचीन, गौरवशाली और आध्यात्मिक परम्पराओं का संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित होगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मनीष पारीख, संगठन सचिव दीपक गोस्वामी सहित अन्य सदस्यों ने

नए चारों सदस्यों का किया अभिनंदन

नव-नियुक्त गोस्वामियों से उम्मीद की कि उनके अनुभव, मार्गदर्शन और परंपराओं की गहन समझ से मंदिर प्रशासन, सेवायत समुदाय एवंश्रद्धालुओं के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

वक्ताओं ने प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था लागू कराने, मंदिरों की निर्धारित क्षमता के अनुरूप आधार से जुड़े डिजिटल अथवा भौतिक पास जारी कराने का सुझाव दिया। वक्ताओं ने यह भी सुझाव दिया कि स्थानीय ब्रजवासियों के लिए प्रतिदिन एक विशेष समय निर्धारित किया जाए। इस अवसर पर गोपाल कृष्ण गोस्वामी, बलराम कृष्ण गोस्वामी, गोविंद शर्मा, ब्रजेश शुक्ला तथा अनुज शर्मा आदि उपस्थित थे।

श्रीराम वनगमन का प्रसंग सुन श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

रामकथा के दौरान पूजन करते यजमान।

यूनिक समय, मथुरा। गुरुकृपा विलास में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के छठे दिन कथावाचक शांतनु ने भगवान श्रीराम के वनगमन का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया। कथावाचक ने बताया कि अयोध्या की प्रजा भगवान श्रीराम से अत्यंत प्रेम करती थी और उन्हें अपना राजा बनते देखना चाहती थी। श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारियां भी पूरी हो चुकी थीं, लेकिन दासी मंथरा ने कैकेयी के मन में भरत को राजा बनाने का विचार भर दिया। साथ ही उसने कैकेयी को राजा दशरथ से अपने दो वरदान मांगने के लिए प्रेरित किया। कैकेयी ने राजा दशरथ से अपने दो वरदान मांगते हुए भरत को अयोध्या का राजा बनाने तथा श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास देने की मांग रखी। राजा दशरथ वचनबद्ध थे।

इस प्रसंग का वर्णन सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा के दौरान प्रभात अग्रवाल (पीके ज्वैलर्स), नीता अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, मनीष अग्रवाल (नौहझील), मनोज मुकुट वाले, अनिल अग्रवाल, अंजना अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, प्रियांशु अग्रवाल, विकास अग्रवाल, शैलेष अग्रवाल सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सरचार्ज के विरोध में अर्थी निकालकर जताया विरोध

सरचार्ज और स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदर्शन करते हुए समिति कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। 10 प्रतिशत ईंधन सरचार्ज और प्रीपेड स्मार्ट मीटरों के विरोध में मंगलवार को कृष्णा नगर बिजलीघर पर अखिल भारतीय समता फाउंडेशन और महात्मा ज्योतिराव फुले विकास समिति के कार्यकर्ताओं ने स्मार्ट मीटर की प्रतीकात्मक अर्थी निकालकर विरोध किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने कृष्णा नगर तृतीय खंड के अधिशासी अभियंता आशीष कुमार को तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

समिति के अध्यक्ष रमेश सैनी, लुकेश कुमार राही ने कहा कि बढ़ती महंगाई से आम लोगों का जीना ही मुश्किल हो गया है। ऐसे में बिजली पर अतिरिक्त सरचार्ज और स्मार्ट मीटर लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता के हित में इन फैसलों पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस मौके पर चित्रसेन मौर्य, यशवीर सिंह आजाद, राजकुमार आजाद, सुमित कुमार, सागर सिंह, विनय कुमार,संजय,दिनेश कुमार, प्रिंस कुमार, सलाउद्दीन कुरैशी, भोला, रोहतास, गौरव कुमार, संजू कुमार, देवेंद्र कुमार,अशोक कुमार, देवेंद्र कुमार,सुनील सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ मंगलवार को भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा के साथ हुआ। महाविद्या स्थित श्रीनाथ पैलेस से निकली यात्रा पोतरा कुंड होते हुए श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर पहुंची। बैंड-बाजों, वृंदावन की संकीर्तन मंडली और भक्ति संगीत ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। कथा स्थल पर मन्माध्वगौड़ेश्वर वैष्णवाचार्य एवं पुंडरीक गोस्वामी की व्यासपीठ का पूजन किया गया। संस्थान सदस्य रोशनलाल अग्रवाल, समिति अध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल और यजमानों ने कथा का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर प्रेम अग्रवाल सर्राफ, राजेंद्र खंडेलवाल, गिरीश चंद्र सर्राफ, महेश चंद्र, मुरारी लाल गर्ग, बिजेंद्र खंडेलवाल, अतुल अग्रवाल, दीपक गोला, गोपाल प्रसाद अग्रवाल, बांके बिहारी अग्रवाल, चौधरी त्रिलोकीनाथ, महावीर, विष्णु खंडेलवाल, लक्ष्मण दास अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, केदार खंडेलवाल, योगेश आवा, लक्ष्मण खंडेलवाल, राजीव खंडेलवाल, राकेश, अशोक अग्रवाल, ठाकुर राजा भोज, लक्ष्मण प्रसाद, अनिल कुमार, दिलीप रुहेला, केके कनोडिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा प्रतिदिन प्रातः 7 बजे आयोजित होगी।

गौरी गोपाल आश्रम में सजा भक्ति का रंग

गोरी गोपाल आश्रम में आयोजित भजन संध्या में आनंद लेते भक्त।

यूनिक समय, मथुरा। पुरुषोत्तम मास में गौरी गोपाल आश्रम में ठाकुर श्री कृष्ण देव के भक्तों ने साधु सेवा, भंडारा और भव्य भजन संध्या का आयोजन किया। शुभारंभ अनिरुद्ध आचार्य और ठाकुर श्री केशव देव के भक्तों ने गौरी गोपाल और ठाकुर श्री केशव देव की छवि पर पुष्प अर्पित कर किया। भजन संध्या में गायकों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। घनश्याम रसिक ने "बांके बिहारी तुम्हें देखकर मेरे नैना उलझ गए" भजन सुनाया, जबकि बनवारी लाल शर्मा ने "राधे-राधे रटो, चले आएंगे बिहारी" भजन प्रस्तुत किया। आगरा से आए मनमोहन ने अपने ही रंग में रंग दे मेरे यार सांवरे" सहित कई भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सर्वोदय ब्राह्मण विकास संस्थान के सचिव नारायण प्रसाद शर्मा, राजकुमार मैदा वाले, पुरुषोत्तम लाल अग्रवाल, सविता अग्रवाल, अनिल बंसल, दीपक शर्मा, विनोद, सुनील , संजय पाठक, प्रकाश शास्त्री, अंगद तिवारी आदि मौजूद रहे।

अहिल्या बाई के जीवन से मिलती है प्रेरणा

यूनिक समय, फरह। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301 वीं जयंती पर कस्बा में शोभायात्रा निकाली गई। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि अहिल्या बाई ने अपने जीवन को जनकल्याण और समाज सेवा के लिए समर्पित किया था, जिससे आज भी समाज प्रेरणा प्राप्त करता है।

शुभारंभ अहिल्याबाई होल्कर पार्क स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण-पुष्प अर्पित करके हुआ। शाहपुर मार्ग से शुरू हुई शोभायात्रा कस्बा के बाजार से होती हुई पार्क में पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान वातावरण अहिल्याबाई होल्कर के जयकारों से गूंजता रहा।

समाजसेवी मनोज मित्तल और राजेश उदयवाल ने पुष्पवर्षा कर

फरह कस्बा में निकाली गई अहिल्या बाई होल्कर की शोभयात्रा में शामिल समाज के बंधु।

शोभायात्रा का स्वागत किया। इस दौरान कई स्थानों पर शीतल जल और जलपान की व्यवस्था भी रही। होल्कर सेवा समिति ने अतिथियों और समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न समाजों के लोगों की सहभागिता सराहनीय रही।

समारोह को संबोधित करते हुए राम पाठक ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई भारतीय संस्कृति, धर्म, सेवा और सुशासन की अमिट पहचान हैं। मंडल अध्यक्ष पारस ठाकुर ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन संघर्ष, त्याग और नेतृत्व का अनुपम

फरह में निकली अहिल्याबाई की जयंती पर शोभायात्रा

उदाहरण है।

जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन निरंजन सिंह धनगर ने समाज को संगठित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि अहिल्याबाई होल्कर के गौरवशाली व्यक्तित्व पर प्रत्येक समाजजन को गर्व होना चाहिए।

इस अवसर पर तेर सिंह बघेल, कृष्ण गोपाल बघेल, श्याम बघेल, चरण बघेल, अनिल बघेल सहित होल्कर सेवा समिति के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।